॥ हनुमान जंयती ॥

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:276 ता. 23 अप्रेल 2024, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

कन्नौज से अखिलेश यादव नहीं लड़ेंगे चुनाव, तेज प्रताप यादव को मिला टिकट

लखनऊ । समाजवादी पार्टी ने अंततः सोमवार को यह साफ कर दिया कि पार्टी मुखिया अखिलेश यादव कन्नौज से लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। पार्टी ने इस सीट पर तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया गया है। तेज प्रताप अखिलेश यादव के भाई तथा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के दामाद हैं। सोमवार को सपा ने कन्नौज के अलावा बलिया सीट पर भी उम्मीदवार की घोषणा की। इस सीट पर सनातन पांडेय को टिकट दिया गया है। यहां सनातन पांडेय का मुकाबला भाजपा के नीरज शेखर से होगा। नीरज पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पुत्र हैं।

सांसद राहुल गांधी के मामले में सुनवाई अब दो मई को

सुलतानपुर । विधानसभा चुनाव के दौरान बैंगलोर में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी के प्रेसवार्ता के दौरान तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में आरोपित कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद राहुल के मामले में सोमवार को बचाव पक्ष के वकील काशी प्रसाद शुक्ल ने राहुल गांधी के अस्वस्थ होने का हवाला देते हुए मौके का प्रार्थनापत्र दिया वहीं परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने विरोध जताया। एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट रिक्त होने के कारण सोमवार को सुनवाई टल गई। मामले में राहुल गांधी के बयान दर्ज करने के लिए दो मई की तारीख नियत की गई है। कोतवाली देहात थानाक्षेत्र के हनुमानगंज निवासी बीजेपी नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ गृहमंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। राहुल गांधी के खिलाफ चार अगस्त 2018 को मानहानि का वाद दायर किया गया था। मामले में राहुल गांधी की जमानत कोर्ट से हो चुकी है जिसमें सोमवार को उनका बयान विशेष कोर्ट में दर्ज किए जाने के लिए तारीख नियत थी । बताते चले एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट योगेश यादव के ट्रांसफर के बाद अभी तक उक्त कोर्ट का चार्ज किसी न्यायिक अधिकारी को नही मिला है।

राजस्थान में बिगड़ गया भाजपा का गणित......पहले चरण के बाद नारा भूले

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का बीजेपी पर हमला

जालौर । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी पर हमला कर कहा कि राजस्थान में बीजेपी का गणित बिगड़ चुका है। हमारे लिए सभी 25 सीटें समान हैं और हम सब वहां प्रचार कर रहे हैं। जालौर ललोकसभा क्षेत्र जहां से पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत चुनाव लड़ रहे हैं, वहां पीएम नरेंद्र मोदी की एक दिन पहले रैली हुई। इसमें नेताओं ने कहा कि गहलोत के लिए जालौर सीट ही उनकी प्रतिष्ठा बन गई है इसलिए वे कहीं नहीं जा रहे हैं। इसके जवाब में गहलोत ने कहा कि बीजेपी जो अब तक 400 पार का नारा दे रही थी, पहले चरण के बाद देना बंद कर दिया है। पूर्व सीएम के बेटे का नाम लिया जा रहा है, हमारे लिए सभी 25 सीटें समान है और हम सभी जगह प्रचार कर रहे हैं। सभी जगह कांग्रेस के पक्ष में माहौल है। इस बार बीजेपी का अहंकार टूटने वाला है।

अब भारतीय सेना हवाई खतरों को आसमान में ही करेगी खत्म

नई दिल्ली,। चीन और पाकिस्तान की सीमा पर हवाई खतरों और हमलों को आसमान में ही खत्म करने के लिए भारतीय सेना ने नई तैयारी कर ली है। सेना ने 6800 करोड़ रुपए से दो हथियार प्रणाली को एक्वायर करने का फैसला किया है। सेना 500 से ज्यादा लॉन्चर्स के साथ दोनों सीमाओं पर 3000 हजार से ज्यादा मिसाइलों को तैनात करेगी। पहली मिसाइल कंधे से दागी जाने वाली मैन पोर्टेबल लेगला-एस मिसाइल. इसे रूस के साथ समझौते के तहत लाइसेंस लेकर भारत में ही बनाया जाता है। दूसरी मिसाइल है वेसहोरड। यह स्वदेशी मिसाइल सिस्टम है। दोनों ही कम रेंज के लिए उपयुक्त हथियार प्रणाली है। इन मिसाइलों से दुश्मन के ड्रोन, हेलिकॉप्टर, फाइटर जेट्स, मिसाइलों को ढेर किया जा सकता है। इग्ला-एस एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल का वजन 10.8 किलोग्राम है। जबकि पूरे सिस्टम का वजन 18 किलोग्राम सिस्टम की लंबाई 5.16 फीट होती है। व्यास 72 मिलिमीटर. इस मिसाइल की नोक पर 1.17 किलोग्राम वजन का विस्फोटक लगाते हैं। लेगला-एस की रेंज 5 से 6 किलोमीटर है। अधिकतम 11 हजार फीट तक जा सकती है। यह मिसाइल 2266 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से टारगेट की तरफ बढ़ती है. यानी दुश्मन को बचने का मौका कम ही मिलता है। नई इग्ला-एस हैंड-हेल्ड एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल भारतीय सेना में शामिल पुरानी इग्ला मिसाइल को बदलेगी। वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम को चीन और पाकिस्तान सीमा पर तैनात किया जाना है. इसके कई सफल परीक्षण हो चुके हैं। वेसहोरडएयर डिफेंस सिस्टम रूस के एस-400 जैसा है। अभी तक इसे जमीन पर रखे मैन पोर्टेबल लॉन्चर से दागा जाता था। अब इस लॉन्चर को ट्रक, बख्तरबंद वाहन, टैंक आदि पर भी लगा सकते हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह की नक्सलियों को नसीहत

समर्पण करें अन्यथा दो साल में नक्सलवाद को उखाड़ फेंकेंगे

जगदलुपर।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को यहां कहा कि जब तक नक्सलवाद है, तब तक आमजन तक सुख-सुविधाएं नहीं पहुँच सकतीं हैं। उन्होंने आगे नक्सलवादियों को चेतावनी देते हुए कहा, कि नक्सलवादी यदि आत्मसमर्पण करने के लिए ना समझे तो वे जान लें कि दो साल में नक्सलवाद को उखाड़ फेंक दिया जाएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह कांकेर लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग के समर्थन में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे, जहां उन्होंने एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

इसी बीच उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है, ताकि भारत दुनिया में तीसरी अर्थव्यवस्था बनकर उभरे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में देश में बड़ा बदलाव हुआ है। इसी दोरान उन्होंने प्रमुख विपक्षी कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस को राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर निमंत्रण पत्र भेजा गया, लेकिन वे राम के दरबार तक में नहीं आए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि कश्मीर का बाकी

राज्यों से क्या लेना-देना, शायद उन्हें मालूम नहीं कि छत्तीसगढ़ का बच्चा-बच्चा कश्मीर के लिए अपनी जान कुर्बान कर सकता है।

सभा को संबोधित कर रहे गृह मंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह से आतंकवाद समाप्त कर दिया है, वैसे ही नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा।

आंकड़ों के मुताबिक पिछले चार माह में 90 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके हैं और 250 ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा कि 02 साल के अंदर में ही छत्तीसगढ़ से नक्सलियों को उखाड़ फेंकेंगे। उन्होंने नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने की भी सलाह दी और साथ ही चेतावनी देते हुए कहा, कि अन्यथा वे लड़ाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा विश्वास दिलाया कि जल, जंगल जमीन के साथ आदिवासियों की सुरक्षा और सम्मान की गारंटी भी प्रधानमंत्री मोदी देते हैं। संसाधन पर पहला हक आदिवासियों और गरीबों का है, लेकिन कांग्रेस की सोच इससे अलग है।

सियाचिन पहुंचे केंद्रीय रक्षा मंत्री

सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन का दौरा कर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। रक्षा मंत्री सिंह ने प्रतिकूल मौसम में दुर्गम इलाकों में तैनात सैनिकों के साथ बातचीत की। उनके साथ सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, उत्तरी कमान लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिंद्र कुमार और जनरल ऑफिसर कमांडिंग 14 कोर लेफ्टिनेंट जनरल रशिम बाली भी थे। क्षेत्र के हवाई सर्वेक्षण के बाद सिंह 15 हजार 100 फीट की ऊंचाई पर एक अग्रिम चौकी पर उतरे जहां उन्हें सियाचिन ग्लेशियर में संचालन तैयारियों और मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कमांडरों के साथ संचालन चुनौतियों से जुड़े पहलुओं पर चर्चा भी की। श्री सिंह ने सैनिकों को संबोधित कर कहा कि विषम परिस्थितियों में वीरता और दृढ़ संकल्प के साथ मातृभूमि की रक्षा करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सशस्त्र बलों का हमेशा ऋणी रहेगा क्योंकि उनके बलिदान के कारण हर नागरिक सुरक्षित महसूस करता है। उन्होंने कहा, हम शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं, क्योंकि आश्वस्त हैं कि हमारे बहादुर सैनिक सीमाओं पर दृढ़ता से खड़े हैं।

आने वाले समय में जब राष्ट्रीय सुरक्षा का इतिहास लिखा जाएगा, तब बर्फीले ठंडे ग्लेशियर में हमारे सैनिकों की बहादुरी और इच्छाशक्ति के कार्यों को गर्व के साथ याद किया जाएगा। यह हमेशा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा। राष्ट्र ने हाल ही में ऑपरेशन मेघदूत की सफलता की 40वीं वर्षगांठ मनाई है। रक्षा मंत्री ने 13 अप्रैल 1984 को सियाचिन में भारतीय सेना द्वारा शुरू किए गए इस ऑपरेशन को देश के सैन्य इतिहास का सुनहरा अध्याय बताया। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन मेघदूत की सफलता हम सबके लिए गर्व की बात है।'

इस मौके पर रक्षा मंत्री ने मातृभूमि की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को सियाचिन युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। गौरतलब है कि श्री सिंह ने 24 मार्च 2024 को लेह का दौरा कर सैनिकों के साथ होली मनाई थी। उनका सियाचिन जाने का कार्यक्रम था, लेकिन मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण इस स्थगित कर दिया गया था।

पंजाब में भाजपा प्रत्याशियों को किसानों के विरोध का सामना करना पड़ रहा

चंडीगढ़ ।

बटाला में किसानों ने गुरदासपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी दिनेश बब्बू और बरनाला में पार्टी नेता अरविंद खन्ना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पंजाब की विभिन्न संसदीय सीट से भाजपा के उम्मीदवारों और नेताओं को किसानों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

फरीदकोट सीट से भाजपा उम्मीदवार हंस राज हंस, अमृतसर से तरनजीत सिंह संधू और पटियाला से परनीत कौर को भी किसानों के गुस्से का सामना करना पड़ा। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को उस स्थान की ओर जाने से रोकने की भी कोशिश की, जहां बब्बू और भाजपा समर्थक चुनाव प्रचार संबंधी कार्यक्रम कर रहे थे। फतेहगढ़ चूड़ियां में एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि वे भाजपा नेताओं का विरोध करना जारी रखने वाले हैं। विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देकर भाजपा उम्मीदवार बब्बू ने कहा कि केवल उनकी पार्टी किसानों के मुद्दों को हल कर सकती है, जबकि अन्य राजनीतिक दल अपने निहित स्वार्थों के लिए उनका ''इस्तेमाल करने वाले हैं।

बब्बू ने कहा, ''हम किसानों के साथ हैं और मैं भी एक किसान हूं। उनके मुद्दों को बातचीत के जरिए हल किया जा सकता है।'' एक अन्य घटना में, भाजपा नेता खन्ना को बरनाला में किसानों के विरोध का सामना करना पड़ा, जहां वह प्रचार करने गए थे।

सात देशों के प्रतिनिधियों ने देखा भाजपा का प्रचार अभियान

नई दिल्ली ।

भारत के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव प्रचार अभियान का प्रत्यक्ष अवलोकन एवं अध्ययन करने के लिए रूस एवं बांग्लादेश सहित सात देशों के राजनयिकों का प्रतिनिधिमंडल राजस्थान में जोधपुर की तीन दिन की यात्रा पर आया है।

भाजपा के विदेश विभाग प्रमुख डॉ. विजय चौथाईवाले ने कहा कि भारत में विभिन्न मिशनों से राजनयिकों का सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान की प्रत्यक्ष जानकारी हासिल करने के लिए उद्देश्य से 22 से 24 अप्रैल, तक जोधपुर की यात्रा पर रहेगा। इस

प्रतिनिधिमंडल में बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया, रूस और सूरीनाम के राजनयिक प्रतिनिधि शामिल हैं। डॉ. चौथाईवाले के अनुसार पहले भी इस तरह के प्रतिनिधिमंडलों ने भाजपा के चुनाव प्रचार अभियानों के सफलतापूर्वक संचालन का अनुभव हासिल किया है। वर्ष 2022 के आखिर में हिमाचल प्रदेश और गुजरात में राज्य चुनावों के दौरान अभियान तथा नवंबर 2023 में मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी कई देशों के राजनयिक प्रतिनिधि 'भाजपा को जानो' पहल के तहत गए थे। उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा द्वारा पार्टी के 43वें स्थापना दिवस पर शुरू की गई पहल के अंतर्गत इन प्रतिनिधियों का दौरा हो रहा है। भाजपा की योजना आम चुनाव के आगामी चरणों के दौरान इसी तरह के प्रतिनिधिमंडल ले जाने की है।

गुजरात की 26 में से एक सीट पर कमल खिला, सूरत से भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल बने पहले सांसद

अहमदाबाद ।

दक्षिण गुजरात की सूरत लोकसभा सीट को महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है. सूरत लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध विजेता घोषित किए गए हैं और उन्हें निर्वाचन अधिकारी की ओर से जीत का प्रमाण पत्र भी दे दिया गया है. मुकेश दलाल मतदान से पहले सूरत के पहले सांसद बन गए हैं. बता दें कि सूरत से कांग्रेस उम्मीदवार निलेश कुंभाणी का नामांकन रविवार को रद्द किए जाने के बाद चुनाव मैदान में निर्दलीय समेत 8 प्रत्याशी रह गए थे. इन 8 उम्मीदवारों के आज अपना नाम वापस लेने से भाजपा के मुकेश दलाल को निर्वाचन अधिकारी ने निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया. वोटिंग से पहले निर्विरोध विजेता घोषित मुकेश दलाल को निर्वाचन अधिकारी ने उनकी जीत का सर्टिफिकेट भी दे दिया

है. सूरत लोकसभा सीट निर्विरोध जीतकर भाजपा ने इतिहास रच दिया है. भाजपा ने लोकसभा चुनाव में पहली बार कोई सीट पर निर्विरोध जीत हासिसल की है. अब तक लोकसभा के चुनाव में 28 सांसद निर्विरोध जीते हैं. जिसमें सबसे अधिक जम्मू-काश्मीर के सांसदों निर्विरोध जीत दर्ज की थी. सूरत में मुकेश दलाल की जीत को लेकर भाजपा के सहप्रवक्ता दीपक जोशी ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व और आनंद की बात है. गुजरात में आजादी के बाद पहली बार भाजपा ने लोकसभा चुनाव में सूरत सीट पर निर्विरोध जीत दर्ज की है. जिन उम्मीदवारों ने नाम वापस लिया है उन्होंने भाजपा का साथ दिया है. दीपक जोशी ने कहा कि सूरत की सीट पर कमल खिल गया है और अब राज्य की अन्य 25 सीटों पर 5 लाख से भी अधिक वोटों के अंतर से भाजपा जीत हासिल करेगी.

बड़ी चुनौती-भारत में दुनिया की 17 प्रतिशत आबादी और पानी 4 प्रतिशत

रिपोर्ट में दावा- देश के 50 प्रतिशत जिलों में 2050 तक गंभीर जल संकट हो सकता है

नई दिल्ली।

दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश भारत में जल संकट का गंभीर खतरा है। देश के कृषि क्षेत्र में जल प्रबंधन को बढ़ावा देने से जुड़ी एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2050 तक भारत के 50 प्रतिशत से ज्यादा जिलों में पानी का विकट संकट हो सकता है। डीसीएम श्रीराम और सत्व नॉलेज की एक रिसर्च रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2050 तक देश में प्रति व्यक्ति जल की मांग में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की संभावना है, जबकि देश की बढ़ती आबादी और जल संसाधनों की कमी के चलते प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता में 15 प्रतिशत की कमी आ सकती है। पानी की बढ़ती मांग और सप्लाई में कमी के चलते संतुलन बिगडने की संभावना है। इसी कारण 2050 तक देश के 50 प्रतिशत जिलों में पानी का भयंकर संकट खड़ा हो सकता है।

कृषि सेक्टर में सबसे ज्यादा पानी इस्तेमाल होता है

रिपोर्ट के मुताबिक देश में जल संकट के पीछे कृषि सेक्टर बड़ी वजह है। कृषि प्रधान देश होने के कारण देश के कुल जल का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा खेती में इस्तेमाल होता है। इसके बाद घरेलू उपयोग और इंडस्ट्री सेक्टर में जल का प्रयोग होता है। यह ट्रेंड 2025 से लेकर 2050 तक भी जारी रहने का अनुमान है।

कुशल सिंचाई के द्वारा जल बचाने की जरूरत

भारत के कुल फसल उत्पादन का 90 प्रतिशत हिस्सा 3 प्रमुख फसलों- धान, गन्ना और गेहूं का है। देश के अधिकांश किसान सतही सिंचाई का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें जल उपयोग की दक्षता 35 प्रतिशत ही होती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर सिंचाई जल का दक्षता से उपयोग किया जाए, तो 20 प्रतिशत पानी को बचा सकते हैं।

एडवांस वाटर इफिशिएंसी इन इंडियन एग्रीकल्चर रिपोर्ट के अनुसार, भारत में दुनिया की 17 प्रतिशत आबादी है, लेकिन हमारे पास दुनिया के पानी के सिर्फ 4 प्रतिशत संसाधन ही हैं। प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता को मापने वाले फलेंकेनमार्क इंडेक्स के मुताबिक प्रति व्यक्ति 1700 क्यूबिक मीटर से कम पानी वाले इलाकों को जल संकट से ग्रस्त माना गया है। इस इंडेक्स के हिसाब से 76 प्रतिशत भारतीयों के पास अभी भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है।

भारत में दिनों दिन बढ़ रहा है पानी का संकट

– 2050 तक स्थिति होगी विकराल

नई दिल्ली। भारत की आबादी दुनिया के देशों में सबसे ज्यादा है। भारत का जल संकट भी बहुत भयावह होने जा रहा है। डीसीएम श्री राम और सत्य नॉलेज की एक रिसर्च रिपोर्ट में दावा किया गया है। 2050 तक भारत में प्रति व्यक्ति जल की मांग में 30 फ़ीसदी की वृद्धि होगी। बढ़ती आबादी और जल संसाधनों की कमी के कारण पेयजल के भयंकर संकट का सामना भारत को करना पड़ेगा। 2050 तक भारत में दुनिया की 17 फ़ीसदी आबादी होगी। रिसर्च में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता को मापने वाले इंडेक्स के अनुसार प्रति व्यक्ति 1700 क्यूबिक मीटर से कम पानी वाले इलाके जल संकट से बुरी तरह प्रभावित होंगे। भारत की 76 फ़ीसदी आबादी के पास अभी भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में 2025 से लेकर 2050 तक भारत का जल संकट बढ़ता जायेगा। भारत के 50 फ़ीसदी जिलों में पानी का भयावह संकट होने की चेतावनी रिसर्च रिपोर्ट में दी गई है।

तिरुपति मंदिर की संपत्ति दुनिया के धार्मिक स्थलों में सबसे ज्यादा

– 13287 करोड़ की एफडी, 11 टन सोना

हैदराबाद । दुनिया के सबसे अमीर मंदिर तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने इस साल 1161 करोड रुपए की एफडी कराई है। ट्रस्ट की बैंकों में कुल एफडी 13287 करोड रुपए की हो गई है। इसके अलावा मंदिर के अन्य ट्रस्ट के माध्यम से 5529 करोड रुपए एफडी में जमा किए हुए हैं। सभी बैंकों और सभी ट्रस्टों की नगदी 18817 करोड रुपए हो गई है। दुनिया भर के सभी धार्मिक स्थलों में सबसे ज्यादा धनी ट्रस्ट तिरुमला तिरुपति देवस्थानम है। हर साल जमा रकम के ब्याज से 1600 करोड रुपए की आय इस ट्रस्ट को होती है। हाल ही में ट्रस्ट ने बैंक में 1031 किलो सोना जमा किया है। ट्रस्ट के पास 11329 किलोग्राम सोना हो गया है। हर साल तिरुपति ट्रस्ट की एफडी और सोने के भंडार में वृद्धि हो रही है। कोरोना के समय में दान में कम नगदी प्राप्त हुई थी। 2013 से लेकर 2024 तक ट्रस्ट में दान की राशि में वृद्धि होती रही है। 2012 में ट्रस्ट की एफडी 4820 करोड रुपए की थी। जो 2024 में बढ़कर 13287 करोड रुपए की हो गई है।

गाजीपुर लैंडफिल साइट पर आग, पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया

नई दिल्ली। गाजीपुर लैंडफिल साइट (कचरा एकत्र करने की जगह) पर आग लगने के कुछ घंटों बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) और 278 (माहौल को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बनाना) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दिल्ली दमकल सेवा के अनुसार, कचरे के विशाल पहाड़ से उत्पन्न गैसों के कारण 'लैंडफिल' में भीषण आग लग गई। लैंडफिल के निकट रहने वाले शख्स ने कहा, आग लगने के बाद से 15 घंटे बीत चुके हैं। यह धुआं आम नहीं बल्कि बेहद जहरीला धुआं है। जलन की वजह से हम अपनी आंखें नहीं खोल पा रहे हैं और सांस लेने में भी दिक्कत हो रही है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और केंद्र शासित प्रदेश सरकार पर जनता को बेहतर जीवन दे पाने में विफल रहने का आरोप लगाया। दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने कहा, जैसे ही मुझे पता चला, मैंने अधिकारियों को कार्रवाई करने और लैंडफिल साइट का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। वे पूरी रात यहां थे। अब स्थिति बेहतर है। हालात बेहतर हैं। अगले पांच घंटों में धुएं पर काबू पा लिया जाएगा। भाजपा सिर्फ आरोप लगा रही है। यह राजीनित करने का वक्त नहीं है।

पंजाब में भाजपा प्रत्याशियों को किसानों के विरोध का सामना करना पड़ रहा

चंडीगढ़ । बटाला में किसानों ने गुरदासपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी दिनेश बब्बू और बरनाला में पार्टी नेता अरविंद खन्ना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पंजाब की विभिन्न संसदीय सीट से भाजपा के उम्मीदवारों और नेताओं को किसानों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। फरीदकोट सीट से भाजपा उम्मीदवार हंस राज हंस, अमृतसर से तरनजीत सिंह संधू और पटियाला से परनीत कौर को भी किसानों के गुस्से का सामना करना पड़ा। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को उस स्थान की ओर जाने से रोकने की भी कोशिश की, जहां बब्बू और भाजपा समर्थक चुनाव प्रचार संबंधी कार्यक्रम कर रहे थे। फतेहगढ़ चूड़ियां में एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि वे भाजपा नेताओं का विरोध करना जारी रखने वाले हैं। विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देकर भाजपा उम्मीदवार बब्बू ने कहा कि केवल उनकी पार्टी किसानों के मुद्दों को हल कर सकती है, जबकि अन्य राजनीतिक दल अपने निहित स्वार्थों के लिए उनका ''इस्तेमाल करने वाले हैं। बब्बू ने कहा, ''हम किसानों के साथ हैं और मैं भी एक किसान हूं। उनके मुद्दों को बातचीत के जरिए हल किया जा सकता है।'' एक अन्य घटना में, भाजपा नेता खन्ना को बरनाला में किसानों के विरोध का सामना करना पड़ा, जहां वह प्रचार करने गए थे।

सलमान के घर फायरिंग.....आरोपियों ने बंदूक सूरत की तापी नदी में फेंकी , मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम सूरत पहुंची

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के घर पर 14 अप्रैल की सुबह फायरिंग से हड़कंप मचा था। घटना में शामिल दोनों हमलावरों को पुलिस ने पकड़ लिया है। मामले की जांच तेजी से जारी है। इस बीच फायरिंग केस में नया अपडेट सामने आया है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने वारदात को अंजाम देने के बाद बंदूक सूरत की नदी में फेंकी थी। उस बंदूक की तलाश के लिए क्राइम ब्रांच की टीम सूरत पहुंची है। आरोपियों ने पुलिस से तापी नदी में बंदूक फेंकने की बात कही है। इस केस में मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके भाई अनमोल को मुख्य आरोपी बनाया है। अनमोल को वांटेड सूची में शामिल किया है। जांच पड़ताल के दौरान बिश्नोई भाइयों के खिलाफ कुछ सबूत मिले हैं। सूत्र बताते हैं क्राइम ब्रांच अनमोल बिश्नोई (जो कि अमेरिका में रहता है) के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर सकती है। दूसरी ओर जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई की कस्टडी के लिए कोर्ट में आवेदन देगी। गिरफ्तार हुए आरोपी विक्की गुप्ता (24 साल) और सागर पाल (21 साल) ने सलमान के घर पर फायरिंग करने से पहले बिहार के चंपारण में हथियार चलाने की प्रैक्टिस की थी। दोनों को 13 अप्रैल की रात बंदूकें सप्लाई की गई थीं। अनमोल दोनों आरोपियों के साथ इंटरनेट कॉलिंग के जरिए संपर्क में था। उन्हें सलमान के घर फायरिंग के लिए पहले ही 1 लाख रुपये दिए जा चुके थे। सलमान ने फायरिंग की घटना के बाद बड़ा फैसला लिया। वे काम पर लौट आए हैं। उन्होंने अपने प्रोजेक्ट्स की किसी भी डेट को आगे खिसकाने से मना किया है।

रैली में भिड़े राजद और कांग्रेस के कार्यकर्ता... भाजपा नेता ने दिया नया नाम झगड़ालू गठबंधन

पटना। बिहार बीजेपी नेता और पटना साहिब से चुनाव लड़ रहे रविशंकर प्रसाद ने कहा कि रांची में इंडिया ब्लॉक की रैली में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। भाजपा नेता ने दावा किया कि दोनों दलों के लोगों ने एक-दूसरे पर कुर्सियां फेंकी। इस घटना के बाद उन्होंने गठबंधन का नया नामकरण किया। रविशंकर प्रसाद ने इंडिया ब्लॉक को झगड़ालू गठबंधन बताया। प्रसाद ने कहा कि गठबंधन व्यक्तिगत लाभ के लिए बनाया गया है और इसके घटकों के बीच कोई एकता नहीं है। उन्होंने कहा कि रांची की रैली में राजद और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर कुर्सियों से हमला किया... हम पहले से ही कह रहे थे कि यह व्यक्तिगत लाभ का गठबंधन है। झड़प हो रही हैं, और लोग घायल हो रहे हैं। उन्होंने नसीहत के अंदाज में कहा कि भ्रष्टाचार के कारण लोगों को जेल भेजा जा रहा है... देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक स्थिर सरकार चाहता है। इस बीच, बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि रैली भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए बुलाई गई थी। पूनावाला ने कहा कि भारतीय गठबंधन संविधान बचाने के लिए रांची में एकत्र हुआ था, लेकिन यह भ्रष्टाचार बचाने के लिए रैली थी। भारतीय गठबंधन के पास कोई विजन नहीं है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह की नक्सलियों को नसीहत

–समर्पण करें अन्यथा दो साल में नक्सलवाद को उखाड़ फेंकेंगे

जगदलपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को यहां कहा कि जब तक नक्सलवाद है, तब तक आमजन तक सुख-सुविधाएं नहीं पहुँच सकतीं हैं। उन्होंने आगे नक्सलवादियों को चेतावनी देते हुए कहा, कि नक्सलवादी यदि आत्मसमर्पण करने के लिए ना समझे तो वे जान लें कि दो साल में नक्सलवाद को उखाड़ फेंक दिया जाएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह कांकेर लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग के समर्थन में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे, जहां उन्होंने एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। इसी बीच उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है, ताकि भारत दुनिया में तीसरी अर्थव्यवस्था बनकर उभरे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में देश में बड़ा बदलाव हुआ है। इसी दौरान उन्होंने प्रमुख विपक्षी कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस को राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर निमंत्रण पत्र भेजा गया, लेकिन वे राम के दरबार तक में नहीं आए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि कश्मीर का बाकी राज्यों से क्या लेना-देना, शायद उन्हें मालूम नहीं कि छत्तीसगढ़ का बच्चा-बच्चा कश्मीर के लिए अपनी जान कुर्बान कर सकता है। सभा को संबोधित कर रहे गृह मंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह से आतंकवाद समाप्त कर दिया है, वैसे ही नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक पिछले चार माह में 90 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके हैं और 250 ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा कि 02 साल के अंदर में ही छत्तीसगढ़ से नक्सलियों को उखाड़ फेंकेंगे। उन्होंने नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने की भी सलाह दी और साथ ही चेतावनी देते हुए कहा, कि अन्यथा वे लड़ाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा विश्वास दिलाया कि जल, जंगल जमीन के साथ आदिवासियों की सुरक्षा और सम्मान की गारंटी भी प्रधानमंत्री मोदी देते हैं। संसाधन पर पहला हक आदिवासियों और गरीबों का है, लेकिन कांग्रेस की सोच इससे अलग है।

ममता सरकार को झटका, हाईकोर्ट ने रद्द की 24 हजार शिक्षकों की भर्ती

कोलकाता। ममता बनर्जी सरकार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में झटका दिया है। हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग द्वारा की शिक्षक भर्ती को रद्द कर 2016 का पूरा जॉब पैनल रद्द कर दिया है और लगभग 24 हजार नौकरियां रद्द कर दीं। इस भर्ती में 5 से 15 लाख रुपये की रिश्वत लेने तक की आरोप हैं। बता दें कि भर्ती घोटाले में पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और कई टीएमसी पदाधिकारियों के साथ ही राज्य शिक्षा विभाग के कई अधिकारी जेल की हवार खा चुके हैं। कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद ईडी और सीबीआई दोनों इस कथित अनियमितताओं की जांच कर रही हैं। यह घोटाला 2014 का है। तब पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमिशन (एसएससी) ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती निकाली थी। यह भर्ती प्रक्रिया 2016 में शुरू हुई थी। उस समय पार्थ चटर्जी शिक्षा मंत्री थे। इस मामले में कई शिकायतें कोलकाता हाईकोर्ट में दाखिल की गई थीं। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि जिन उम्मीदवारों के नंबर कम थे उन उम्मीदवारों को मेरिट लिस्ट में सबसे ऊपर स्थान दिया गया था। इनमें कुछ शिकायतें ऐसी भी थीं, जिनमें कहा गया था कि कुछ लोगों का मेरिट लिस्ट में नाम नहीं होने के बाद भी नौकरी दे दी गई। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि कुछ ऐसे भी उम्मीदवारों को नौकरी दी गई, जिन्होंने टीईटी परीक्षा भी पास नहीं की थी। जबकि शिक्षक भर्ती के लिए टीईटी की परीक्षा पास करना अनिवार्य है। इसी तरह से राज्य में 2016 में एसएससी द्वारा ग्रुप-डी की 13000 भर्ती के मामले में शिकायतें मिली थीं। हाईकोर्ट ने इन सभी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद ईडी ने शिक्षक भर्ती और कर्मचारियों की भर्ती के मालमे में मनी ट्रेल की जांच शुरू की थी। सीबीआई ने इस मामले में पिछले साल 18 मई को पार्थ चटर्जी से पूछताछ भी की थी।

पहले चरण के मतदान के बाद साफ हुआ ... इंडिया' गठबंधन के पक्ष में लहर चल रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद दावा किया कि देश भर में 'इंडिया' गठबंधन के पक्ष में लहर चल रही है और अब भाजपा दक्षिण भारत में साफ और उत्तर भारत में 'हाफ (आधी) है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा भी किया कि पहले चरण के मतदान के बाद से भाजपा के नेता घबरा गए हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ट्वीट इसका संकेत है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीट पर शुक्रवार को लगभग 63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

पहले चरण का मतदान समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है और यह स्पष्ट है कि पूरे भारत में लोग रिकॉर्ड संख्या में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को वोट दे रहे हैं। रमेश ने पोस्ट किया, भाजपा का ग्राफ-दक्षिण में साफ, उत्तर में हाफ। उन्होंने दावा किया, ''पहले चरण में 21 राज्यों की 102 सीटों पर वोटिंग हुई। जमीन की रिपोर्ट से साफ हो रहा है कि इंडिया गठबंधन भाजपा से कहीं आगे है। इंडिया गठबंधन ने तमिलनाडु और महाराष्ट्र में क्लीन स्वीप किया है। बिहार, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हमारा प्रदर्शन शानदार रहा है।''

उनके मुताबिक, भाजपा के प्रत्याशियों ने खुले तौर पर स्वीकार किया है कि इस बार उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी, क्योंकि मोदी की कोई हवा नहीं है?। कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''चुनाव अभियान के दौरान प्रधानमंत्री अपने भाषणों और साक्षात्कारों में बिल्कुल निष्प्रभावी नज़र आ रहे हैं। इंडिया गठबंधन पर उनके हमले थके हुए से लग रहे हैं और बेतुकेपन से भरे हैं। वह कुछ भी बोल रहे हैं।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, गारंटी को लागू करने के मामले में हमारी राज्य सरकारों के शानदार ट्रैक रिकॉर्ड हैं। इससे कांग्रेस की गारंटी देशभर में लोकप्रिय हो रही है और चर्चा का विषय बनी हुई हैं। देशभर में अंडर करंट मजबूत हो रहा है। अब एक लहर चल रही है।

आप नेता का आरोप......ये मोदी वाशिंग पाउडर चुटकियों सारे भष्ट्राचार के दाग धो देता

नई दिल्ली । आप नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रांची में विपक्षी इंडिया ब्लॉक की रैली को संबोधित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा पर तीखा हमला किया। रैली को संबोधित कर आप नेता सिंह ने कहा, नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलते हैं। उन्होंने गलत आरोप लगाकर हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को जेल में डाल दिया। जब वह भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलते हैं, तब ऐसा लगता है जैसे ओसामा बिन लादेन और गब्बर सिंह अहिंसा का उपदेश दे रहे हो। रैली आप सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा में शामिल होने के बाद विपक्षी नेताओं के खिलाफ मामलों को खारिज कर दिया गया। आप नेता सिंह ने कहा, 2014 के बाद एक मोदी वाशिंग पाउडर आया है, जो आपके सारे भ्रष्टाचार साफ कर देता है। यह मोदी वाशिंग पाउडर चुटकियों में सारे दाग मिटा देता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपी कई नेता भाजपा में शामिल हो गए या एनडीए का हिस्सा बन गए।

असदुद्दीन ओवैसी ने की मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की मांग

– एआईएमआईएम प्रमुख ने बिहार के किशनगंज में रैली को किया संबोधित

किशनगंज (एजेंसी)। ऑल इंडिया मज्लिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व को दर्शाते हुए मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की मांग की। सांसद ओवैसी ने बिहार की मुस्लिम बहुल सीट किशनगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। आवैसे ने बिहार विधायक अख्तरुल ईमान को इस सीट से उम्मीदवार बनाया है।

दिवंगत नेता हुमेरा अजीज का जिक्र करते हुए ओवैसी ने कहा कि भाजपा और आरएसएस ने एआईएमआईएम पर राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के खिलाफ होने का झूठा आरोप लगाया है। 2004 की शुरुआत में, हमने सिकंदराबाद में एक महिला उम्मीदवार को अपना उम्मीदवार बनाया था। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से देश में 17 लोकसभा चुनाव हुए हैं लेकिन सांसद बनने वाली मुस्लिम महिलाओं की संख्या सिर्फ 20 ही है, तो फिर मुस्लिम महिलाओं के लिए आरक्षण क्यों नहीं।

ओवैसी ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा लाए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर लोकसभा में एक संशोधन पेश किए जाने को लेकर कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुझसे कहा कि आप एक संशोधन लाना चाहते हैं, लेकिन आपका समर्थन करने वाला ही कोई नहीं है। मैंने जवाब दिया कि अल्लाह मेरे साथ है। ओवैसी ने कहा कि मेरा तर्क है कि मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग मिलकर कुल आबादी का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा हैं। हम इस विशाल सामाजिक वर्ग की महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित नहीं कर सकते।

ओवैसी ने दावा किया कि उनकी बातें जब कई ओबीसी संगठनों तक पहुंचीं तो उनके नेता उन्हें धन्यवाद देने आए और कहा कि ओवैसी साहब, केवल आपने और आपकी पार्टी के सांसद इम्तियाज जलील ने पिछड़े वर्गों की महिलाओं के लिए आरक्षण का मुद्दा उठाया। एआईएमआईएम ने बिहार की 40में से एक दर्जन से अधिक लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ओवैसी लोकसभा चुनाव का प्रचार करने बिहार आए थे।

अब भारतीय सेना हवाई खतरों को आसमान में ही करेगी खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और पाकिस्तान की सीमा पर हवाई खतरों और हमलों को आसमान में ही खत्म करने के लिए भारतीय सेना ने नई तैयारी कर ली है। सेना ने 6800 करोड़ रुपए से दो हथियार प्रणाली को एक्वायर करने का फैसला किया है। सेना 500 से ज्यादा लॉन्चर्स के साथ दोनों सीमाओं पर 3000 हजार से ज्यादा मिसाइलों को तैनात करेगी।

पहली मिसाइल कंधे से दागी जाने वाली मैन पोर्टेबल लेगला-एस मिसाइल. इसे रूस के साथ समझौते के तहत लाइसेंस लेकर भारत में ही बनाया जाता है। दूसरी मिसाइल है वेसहोरड। यह स्वदेशी मिसाइल सिस्टम है। दोनों ही कम रेंज के लिए उपयुक्त हथियार प्रणाली है। इन मिसाइलों से दुश्मन के ड्रोन, हेलिकॉप्टर, फाइटर जेट्स, मिसाइलों को ढेर किया जा सकता है।

इग्ला-एस एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल का वजन 10.8 किलोग्राम है। जबकि पूरे सिस्टम का वजन 18 किलोग्राम सिस्टम की लंबाई 5.16 फीट होती है। व्यास 72 मिलिमीटर. इस मिसाइल की नोक पर 1.17 किलोग्राम वजन का विस्फोटक लगाते हैं। लेगला-एस की रेंज 5 से 6 किलोमीटर है। अधिकतम 11 हजार फीट तक जा सकती है। यह मिसाइल 2266 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से टारगेट की तरफ बढ़ती है. यानी दुश्मन को बचने का मौका कम ही मिलता है। नई इग्ला-एस हैंड-हेल्ड एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल भारतीय सेना में शामिल पुरानी इग्ला मिसाइल को बदलेगी।

वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम को चीन और पाकिस्तान सीमा पर तैनात किया जाना है. इसके कई सफल परीक्षण हो चुके हैं। वेसहोरडएयर डिफेंस सिस्टम रूस के एस-400 जैसा है। अभी तक इसे जमीन पर रखे मैन पोर्टेबल लॉन्चर से दागा जाता था। अब इस लॉन्चर को ट्रक, बख्तरबंद वाहन, टैंक आदि पर भी लगा सकते हैं।

15 मई से पहले केजरीवाल के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर कर सकती है ईडी !

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी 15 मई से पहले सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर कर सकती है, जिसमें आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक ईडी यदि आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाती है तो यह पहली बार होगा जब किसी राजनीतिक दल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट में मुकदमा चलाया जाएगा। इससे आप के लिए बड़े संकट की शुरुआत हो सकती है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि चार्जशीट को ड्राफ्ट किए जाने का काम फाइनल होने वाला है। यह भी बताया गया है कि पुराने चार्जशीट्स में आरोपी लगाए गए लोगों के अलावा इस बार 4-5 और नए नाम हो सकते हैं। अरविंद केजरीवाल और के कविता के अलावा सप्लीमेंट्री चार्जशीट में गोवा के राजनीतिक कार्यकर्ता चनप्रीत सिंह का भी नाम हो सकता है। सिंह को 15 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि वह गोवा विधानसभा चुनाव में उन्होंने आप की फंडिंग का प्रबंधन किया था। ईडी का दावा है कि घोटाले की रकम का इस्तेमाल गोवा में चुनाव प्रचार के लिए किया गया।

ईडी का कहना है कि इसके दायरे में राजनीतिक दल समेत कोई भी संगठन आ सकता है। जानकारों का मानना है कि यदि आप को आरोपी बनाया जाता है तो यह पार्टी के लिए अब तक का सबसे बड़ा संकट होगा। इससे पार्टी के बैंक अकाउंट से लेकर अन्य संपत्ति को सीज किया जा सकता है। कुछ जानकार तो यह भी कहते हैं कि ऐसा करना केजरीवाल की गिरफ्तारी से भी झटका होगा। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को कथित शराब घाटोले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था।

अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि हवाला लेनदेन में शामिल कुछ और लोगों नाम भी चार्जशीट में सामने आ सकते हैं। ईडी अधिकारियों ने कहा कि राजनीतिक दल को आरोपी बनाना अभूतपूर्व है, लेकिन उन्होंने इसके लिए कानूनी सलाह ली है। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने भी संकेत दिए थे कि आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाया जा सकता है।

अदालतों में अलग-अलग आवेदनों की सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने बताया है कि आम आदमी पार्टी के खिलाफ पीएमएलए की धारा 70 के तहत कार्रवाई हो सकती है। इसका इस्तेमाल किसी कंपनी के खिलाफ किया जाता है।

तारीख पर तारीख...लेकिन गाजीपुर लैंडफिल साइट आज भी प्रदूषण की निशानी बनी हुई

अमेठी (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। गाजीपुर लैंडफिल दुनियाभर में जाना-पहचाना जाता है। आए दिन लैंडफिल को खत्म करने की मांग जोर पकड़ती रहती है, लेकिन इस बार ये तब चर्चा में आया जब इस पर भयंकर आग लग गई। इससे पूरा इलाका जहरीली गैस और धुएं से भर गया है। 70 एकड़ में फैली गाजीपुर लैंडफिल साइट की शुरुआत साल 1984 में शुरू हुई थी। इसकी ऊंचाई कुतुब मीनार के बराबर करीब 65 मीटर हो चुकी थी। हालांकि, अब ये घटकर 50 मीटर ऊंची है। पहले यहां करीब 140 लाख टन कचरा पड़ा हुआ था। साल 2024 में इस लैंडफिल को खत्म करने का लक्ष्य था, लेकिन अब साल 2026 तक बढ़ा दिया गया है।

साल 2019 में गाजीपुर लैंडफिल साइट पर जमे कूड़े को हटाने का काम शुरू हुआ था, तब वहां 140 मैट्रिक टन कूड़ा मौजूद था। उसके बाद एलजी की निगरानी में तय हुआ था कि साल 2024 तक लैंडफिल साइट को खत्म करके यहां पार्क विकसित किया जाएगा पर अब तक ऐसा नहीं हो पाया है। दिल्ली नगर निगम के आंकड़े के मुताबिक, 5 साल में 25 ट्रामेल मशीन की मदद से करीब 46 मैट्रिक टन कूड़े का ही निपटारा हो पाया है। इसकारण कूड़े के पहाड़ की ऊंचाई कम हुई है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं हुई है और अभी तक इस पर 84 मैट्रिक टन कूड़ा बचा है।

अभी तक कूड़े के पहाड़ को खत्म करने के लिए 1 ही एजेंसी काम कर रही है, क्योंकि दूसरी एजेंसी के चयन की प्रक्रिया के लिए अब तक टेंडर नहीं आया है और इसका कारण है निगम की सबसे पावरफुल कमिटी स्टैंडिंग का गठन ही नहीं हो पाना क्योंकि दिल्ली नगर निगम एक्ट के मुताबिक, कोई भी टेंडर सबसे पहले स्टैंडिंग कमिटी से अप्रूवल के बाद ही लाया जाता है। इसकारण गाजीपुर कूड़े के पहाड़ पर कचरा निस्तारण का काम 1 ही एजेंसी कर रही है। काम की गति धीमी होने के कारण कचरे के पहाड़ को पूरी तरह से खत्म करने की समय सीमा बढ़ाकर साल 2026 करनी पड़ी है।

भाजपा एक पार्टी नहीं, एक पंथ बन गई जिसमें मोदी को पूजा जा रहा : चिदंबरम

तिरुवनंतपुरम । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी.चिदंबरम ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार पर निशाना साधकर कहा कि भाजपा अब एक राजनीतिक पार्टी नहीं रही, बल्कि एक ऐसा पंथ बन गई है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पूजा करता है। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने केंद्र पर निशाना साधकर कहा कि मोदी के 10 साल के शासन में भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता गंभीर रूप से कमजोर हुई है। उन्होंने लोगों से लोकतंत्र को बहाल'' करने की अपील की। चिदंबरम ने कहा कि भले ही कांग्रेस के घोषणापत्र में विवादास्पद नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन इंडिया गठबंधन के सत्ता में आने पर सीएए को निरस्त कर दिया जाएगा। चिदंबरम ने यह उम्मीद भी जाहिर कि'इंडिया गठबंधन तमिलनाडु की सभी 39 सीट और पुडुचेरी की एक सीट पर जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने 14 दिन में घोषणापत्र तैयार किया, जिसका शीर्षक घोषणापत्र नहीं है। उन्होंने अपने घोषणपत्र को मोदी की गारंटी कहा। भाजपा अब कोई राजनीतिक दल नहीं है। यह एक पंथ बन गई है और यह पंथ नरेन्द्र मोदी की पूजा करता है।'' चिदंबरम ने दावा किया कि 'मोदी की गारंटी' उन देशों की याद दिलाती है, जहां पंथ पूजा होती है। उन्होंने कहा, ''भारत में पंथ पूजा को ताकत मिलनी शुरू हो चुकी है, इससे तानाशाही को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, यदि मोदी तीसरी बार सत्ता में आते हैं, तब वे संविधान में संशोधन कर सकते हैं.... हमें लोकतंत्र को बहाल करना होगा।''

महावीर जयंती पर बाइडन ने दी बधाई

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने महावीर जयंती के अवसर पर जैन धर्म के लोगों को शुभकामनाएं दीं। इस बधाई को देते ही बाइडन ऐसा करने वाले वह पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बन गये हैं। बाइडन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं और जिल जैन धर्म के लोगों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि आइए आज हम महावीर स्वामी के मूल्यों को अपनाएं और प्यार, खुशी एवं सद्भाव फैलाकर उनका जश्न मनाएं। प्रख्यात जैन समुदाय के नेता और एशियाई अमेरिकी और मूल हवाईयन/प्रशांत द्वीपसमूह (एएएनएचपीआई) आयुक्त पर राष्ट्रपति के सलाहकार अजय भुटोरिया ने बाइडेन के संदेश का गर्मजोशी से स्वागत किया।

टेस्ला ने चीन, जर्मनी में कीमतों में कटौती की

न्यूयार्क । इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला ने चीन और जर्मनी सहित अपने कई प्रमुख विदेशी बाजारों में कीमतों में कटौती की है, क्योंकि यह गिरती बिक्री और तीव्र मूल्य युद्ध से जूझ रहा है। सीईओ एलन मस्क ने पोस्ट किया, उत्पादन को मांग के अनुरूप बनाने के लिए टेस्ला की कीमतों में बार-बार बदलाव होना चाहिए। ईवी दिग्गज ने चीन में मॉडल 3 की शुरुआती कीमत में 2,000 डॉलर से कम की कटौती की, इसकी आधिकारिक वेबसाइट ने दिखाया, जबकि जर्मनी के साथ-साथ यूरोप, मध्य पूर्व और कई अन्य देशों में भी कीमतों में कटौती की गई। मॉडल वाई, मॉडल एक्स और मॉडल एस वाहनों की अमेरिकी कीमतों में 2,000 डॉलर की कटौती की गई। टेस्ला द्वारा इस महीने की शुरुआत में रिपोर्ट किए जाने के बाद कीमतों में कटौती की गई है कि उसकी वैश्विक वाहन डिलीवरी लगभग चार वर्षों में पहली बार पहली तिमाही में गिर गई, जिससे कंपनी को पिछले सप्ताह अपने कार्यबल में 10 प्रतिशत से अधिक की कटौती करनी पड़ी, जिससे करीब 14,000 नौकरियां खत्म हो गईं। जैसा कि पहले रिपोर्ट दी थी कि मस्क ने 20 प्रतिशत कर्मचारियों की संख्या में कटौती पर जोर दिया था, जिससे पता चलता है कि कटौती की वास्तविक संख्या 20,000 से अधिक हो सकती है। टेस्ला मंगलवार को अपनी पहली तिमाही की आय रिपोर्ट करने के लिए तैयार है, और इसके परिचालन लाभ में भारी गिरावट के साथ-साथ चार वर्षों में पहली बार राजस्व में गिरावट की उम्मीद है। इस साल अब तक टेस्ला का स्टॉक 40 प्रतिशत से अधिक नीचे है।

गाजा में सामूहिक कब्र में 180 लोगों के शव मिले

गाजा । गाजा में दक्षिणी गजान शहर खान यूनिस के नासिर मेडिकल कॉम्प्लेक्स में मौजूद सामूहिक कब्र में 180 लोगों के शव मिले हैं। रिपोर्टों के अनुसार सप्ताहांत में फिलिस्तीन के आपातकालीन सेवा कर्मचारियों को अस्पताल परिसर में मौजूद सामूहिक कब्र से बुजुर्ग महिलाओं और बच्चों के शव मिले हैं। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा यहूदी राज्य पर हमला करने के बाद इजरायल ने गाजा पट्टी में जमीनी घुसपैठ शुरू कर दी, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया। गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में अब तक 34 हजार से अधिक लोग मारे गए हैं।

ग्वांगडोंग में आई आंधी-तूफान से 11 लापता

ग्वांगडोंग। यूएई के बाद दक्षिण चीन के ग्वांगडोंग प्रांत के कई हिस्सों में हाल के दिनों में लगातार बारिश के बाद कुल 11 लोग लापता हैं। यह जानकारी प्रांतीय आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने दी। हाल ही में हुई भारी बारिश ने शाओगुआन, गुआंगज़ौ, हेयुआन, झाओकिंग, किंगयुआन, मेइझोउ और हुइझोउ सहित कई क्षेत्रों को प्रभावित किया है। विभाग ने कहा कि पूरे प्रांत में कुल 53,741 लोगों को स्थानांतरित किया गया है, जिनमें से 12,256 लोगों को तत्काल पुनर्वास प्रदान किया गया है।

इंडोनेशिया के जावा में 5.0 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग । इंडोनेशिया के जावा में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय समयानुसार 0048 बजे 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र, 97.8 किमी की गहराई पर, शुरुआत में 7.94 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 109.32 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित किया गया। इस भूकंप में अबतक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

इजराइल में खुफिया कोर प्रमुख हलीवा ने दिया इस्तीफा

तेलअवीव । इजराइली सेना ने कहा कि उसके खुफिया कोर के प्रमुख ने हमास के सात अक्टूबर के हमले को लेकर इस्तीफा दे दिया है। इजराइल के सैन्य खुफिया प्रमुख अहरोन हलीवा, हमास के हमले संबंधी विफलता को लेकर पद छोड़ने वाले पहले वरिष्ठ इजराइली अधिकारी हैं। अहरोन हलीवा ने अक्टूबर में कहा था कि उस हमले को नहीं रोक पाने की वह जिम्मेदारी लेते हैं, जिसने हमास के सात अक्टूबर के हमले में इजराइल की सुरक्षा में सेंध लगायी थी।

कोकीन का नशा छुडाने में मददगार होगी ये वैक्सीन,बिलकुल अलग तरीके से करेगी वैक्सीन काम

ब्राजीलिया। दुनियाभर में लाखों लोगों की कोकीन के नशे की लत छोड़ने में मददगार होगी ब्राजील के वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई वैक्सीन। वैज्ञानिकों ने इस वैक ?सीन को 'कैलिक्सकोका' नाम दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये वैक ?सीन एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को ट्रिगर करती है, जो कोकीन और उसके डेरिवेटिव से मिलने वाले 'हाई' यानी तीव्र नशे को रोकता है। यह दवा लोगों को नशे की लत छोड़ने में बिलकुल अलग तरीके से काम करेगी। वैज्ञानिकों का दावा है कि ये वैक्सीन कोकीन के असर को दिमाग तक पहुंचने ही नहीं देती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अकेले अमेरिका में हर साल कोकीन के नशे की लत का इलाज कराने वाले 9,00,000 लोगों में से ज्यादातर को इलाज की जरूरत महसूस होती है। कई बार लंबे इलाज के बाद भी वे फिर से कोकीन लेना शुरू कर देते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये वैक्सीन कोकीन लेने से होने वाले 'हाई' को दबाने के लिए डिजाइन किया गया है। ये वक्सीन कोकीन लेने की इच्छा को ही खत्म करने में बेहतरीन उपकरण साबित होगी। येल के क्लिनिकल अध्ययन में पाया गया कि वैक्सीन कोकीन एंटीबॉडी का उत्पादन करती है, जो संभावित रूप से नशे को दिमाग तक पहुंचने से रोककर इसके असर को रोक सकती है। येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में मनोचिकित्सा के प्रोफेसर और वीए कनेक्टिकट हेल्थकेयर सिस्टम के मनोचिकित्सा के प्रमुख थॉमस आर। कोस्टेन और उनकी टीम ने 34 कोकीन का सेवन करने वालों को वैक्सीन लगाई। इन लोगों को 3-10 साल से कोकीन की लत थी। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन ड्रग एब्यूज समर्थित अध्ययन से पता चला कि वैक्सीन लगानो के बाद उनमें खास तरह की एंटीबॉडी बनीं, जो कोकीन से बॉन्ड बनाती हैं और इसे रक्तप्रवाह के जरिये मस्तिष्क तक पहुंचने से रोक सकती है। इस तरह वैक्सीन कोकीन के मनोवैज्ञानिक असर को निष्क्रिय कर सकती है। कोकीन एंटीबॉडी के उत्पादन में वैक्सीन का असर पूरे परीक्षण के दौरान बना रहा। कोस्टेन ने कहा कि वैक्सीन बेहद सुरक्षित है। क्लीनिकल ट्रायल्स के दौरान कोई बड़ा दुष्प्रभाव देखने को नहीं मिला। ये वैक्सीन बहुत ही गंभीर समस्या के लिए पूरी तरह से नया और बेहद व्यवहारिक इलाज साबित हो सकता है। वह कहते हैं कि इससे पहले कोकीन की लत छुड़ाने के लिए कोई वैकल्पिक दवा उपचार उपलब्ध नहीं था। हम अभी तक कोकीन की लत को छुड़ाने को लेकर इसके फायदों के बारे में पूरी तरह से नहीं जानते हैं। फिर भी ये दुनियाभर में लाखों लोगों के लिए उम्मीद की किरण जैसा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, वैक्सीन ने कोकीन के अणुओं को मस्तिष्क के मेसोलेम्बिक सिस्टम में जाने के लिए बहुत बड़ा बना दिया। बता दें कि कोकीन लेने के बाद मस्तिष्क का यही हिस्सा डोपामाइन का उत्पादन करने के लिए एक्टिव होता है। मूल रूप से कोकीन लेने के बाद भी लोगों को उतना नशा नहीं होगा, जितने की उन्हें उम्मीद रहती है। साल 2023 में इस परियोजना को लैटिन अमेरिकी चिकित्सा के लिए यूरो हेल्थ इनोवेशन अवार्ड्स में शीर्ष पुरस्कार दिया गया, जिसके तहत 5,00,000 यूरो का नकद इनाम भी दिया गया था।

पेरिस में लोग नस्लवादी हिंसा के विरोध ओर बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक प्रदर्शन में शामिल हुए।

पाकिस्तान में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की पार्टी ने उपचुनाव में जीत हासिल की

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने नेशनल असेंबली की करीब दो सीट और प्रांतीय असेंबली की 10 सीट पर उपचुनाव में जीत हासिल की है। सोमवार को अनौपचारिक नतीजों से यह जानकारी मिली। पाकिस्तान में कड़ी सुरक्षा के बीच नेशनल असेंबली और प्रांतीय असेंबली की 21 सीट पर उपचुनाव के तहत मतदान हुआ। इस दौरान पंजाब और बलूचिस्तान प्रांत के चुनिंदा जिलों में मोबाइल तथा इंटरनेट सेवा निलंबित रही। पीएमएल-एन, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने उपचुनावों में भाग लिया। मौलाना फजलुर रहमान की जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फज्ल ने उपचुनावों का बहिष्कार किया। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने अभी अंतिम नतीजों की घोषणा नहीं की है लेकिन मीडिया ने प्रत्येक मतदान केंद्र के नतीजों के आधार पर नतीजे साझा किए हैं। प्रारंभिक नतीजों से पता चलता है कि पीएमएल-एन ने प्रांतीय असेंबली की 16 में से 10 सीटों पर जीत हासिल की है जिसमें पंजाब से नौ और बलूचिस्तान में एक सीट शामिल है। पीपीपी, एसआईसी, इस्तेकाम पाकिस्तान पार्टी, पाकिस्तान मुस्लिम लीग, बलूचिस्तान नेशनल पार्टी ने एक-एक सीट तथा एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार ने जीती है। पुलिस के अनुसार, मतदान के दौरान कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए किए गए व्यापक सुरक्षा उपायों के बावजूद हिंसा की छिटपुट घटनाएं दर्ज की गयीं तथा पंजाब प्रांत में मतदान के दौरान झड़पों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं।

सीएए के कुछ प्रावधान भारत के संविधान का उल्लंघन हो सकते हैं

- अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट में किया गया दावा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के कुछ प्रावधान संभावित रूप से भारत के संविधान का उल्लंघन हो सकते हैं। यह अधिनियम संसद द्वारा मंजूरी दिए जाने के लगभग चार साल बाद मार्च में लागू किया गया। यह अधिनियम पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आने वाले बिना दस्तावेज वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता देने की बात करता है।

अमेरिकी कांग्रेस की एक स्वतंत्र अनुसंधान शाखा प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सीएए प्रावधान-मुसलमानों को छोड़कर तीन देशों के छह धर्मों के अप्रवासियों को नागरिकता देना भारतीय संविधान के कुछ अनुच्छेदों का उल्लंघन हो सकता है। रिपोर्ट में इस पर चिंता जाहिर की गई कि नियोजित राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के साथ मिलकर, सीएए भारत की मुस्लिम आबादी के अधिकारों को खतरे में डाल सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सीएए का विरोध करने वाले लोग सत्तारूढ़ भाजपा से सावधान हैं, जो हिंदू बहुसंख्यकवादी, मुस्लिम विरोधी एजेंडे को हवा दे रहा है, जो आधिकारिक तौर पर धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में भारत की स्थिति को खतरे में डालता है और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानदंडों और दायित्वों का उल्लंघन करता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सीएए का लागू होना भाजपा के दूसरे राष्ट्रीय पुन-चुनाव अभियान के बीच हुआ और कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह समय बड़े पैमाने पर राजनीति से प्रेरित है।

आलोचकों का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि सीएए को केवल अनुमोदित धर्मों के सदस्यों की रक्षा के लिए डिज़ाइन किया गया है, दूसरों के पास बहुत कम सहारा होगा। एक वरिष्ठ पर्यवेक्षक ने कहा है उसे स्थापित करने के कथित मोदी-भाजपा प्रयासों को आगे बढ़ाया जा रहा है। एक जातीय लोकतंत्र जो बहुसंख्यक समुदाय को राष्ट्र के बराबर मानता है और दूसरों को दोयम दर्जे का दर्जा देता है।

सीआरएस, अमेरिकी कांग्रेस की एक स्वतंत्र अनुसंधान शाखा, कांग्रेस के निर्णय लेने में सहायता के लिए रिपोर्ट प्रदान करती है लेकिन आधिकारिक कांग्रेस के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत में नागरिकता संशोधन अधिनियम की अधिसूचना के संबंध में चिंता व्यक्त की थी और कहा था कि वह विवादास्पद कानून के कार्यान्वयन की बारीकी से नजर रखा रहा है। भारत ने अमेरिकी की इस आलोचना को खारिज कर दिया है और कहा कि सीएए का उद्देश्य मुख्य रूप से नागरिकता देना है। एक बयान में, केंद्र ने आश्वासन दिया था कि इस कानून के परिणामस्वरूप देश का कोई भी नागरिक अपनी नागरिकता नहीं खोएगा।

मालदीव के संसदीय चुनाव में मुइज्जू की पार्टी पूर्ण बहुमत से जीती

-अलोकप्रिय नीतियों को खत्म करना तरुण का प्रमुख उद्देश्य

माले (एजेंसी)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पार्टी ने चुनाव में भारी बहुत से जीत हासिल की है। मुइजू की पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने मालदीप की संसद पर एकतरफा नियंत्रण कर लिया है। परिणामस्वरूप मतदाताओं ने चीन की ओर उनके झुकाव और क्षेत्रीय शक्ति और भारत से दूर होने का समर्थन किया। चुनाव में मुइजू की पीएनसी ने 86 सीटों में से 66 सीटें जीती हैं जो 93-सदस्यीय संसद में पूर्ण बहुमत के लिए पहले से ही पर्याप्त से अधिक है।

मुइज्जू की पार्टी की जीत को चीन के साथ घनिष्ठ आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने की योजना के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षण के रूप में देखा गया है। पीएनसी और उसके सहयोगियों के पास निवर्तमान संसद में कुल आठ सीटें थीं, सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद बहुमत में नहीं होने से मुइज्जू को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मुख्य विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी)-जिसके पास पहले पूर्ण बहुमत था। 45 वर्षीय मुइज्जू रविवार को सबसे पहले मतदान करने वालों पहुंचे थे, उन्होंने राजधानी माले में अपना वोट डाला। जहां से वह पहले मेयर रह चके हैं। मुइज्जू ने मालदीव के लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह किया।

मुइज्जू ने कहा मालदीव, भूमध्य रेखा के पार लगभग 800 किलोमीटर तक फैले लगभग 1,192 छोटे मूंगा द्वीपों का एक निचला देश, ग्लोबल वार्मिंग के कारण समुद्र के स्तर में वृद्धि के प्रति सबसे संवेदनशील देशों में से एक है। पूर्व निर्माण मंत्री मुइजू ने वादा किया है कि वह भूमि सुधार और ऊंचे द्वीपों का निर्माण करके लहरों को हरा देंगे, एक ऐसी नीति जिसके बारे में पर्यावरणविदों का तर्क है कि इससे बाढ़ का खतरा भी बढ़ सकता है। मालदीव प्राचीन सफेद समुद्र और एकांत रिसॉर्ट्स ओर खूबसूरती के कारण दुनिया में जाना जाता है। हाल के वर्षों में मालदीव हिंद महासागर में एक भू-राजनीतिक हॉटस्पॉट भी बन गया है, जहां वैश्विक पूर्व-पश्चिम शिपिंग लेन द्वीपसमूह से गुजरती हैं।

मुइजू के सहयोगी ने नाम न छापने की शर्त पर मतदान से पहले बताया कि रविवार के चुनाव में पार्टियां वोटों के लिए प्रचार कर रही हैं, इसलिए भू-राजनीति पृष्ठभूमि में है। वह भारतीय सैनिकों को वापस भेजने के वादे पर सत्ता में आए थे और वह इस पर काम कर रहे हैं। सत्ता में आने के बाद से संसद उनके साथ सहयोग नहीं कर रही है। इब्राहिम मोहम्मद सोलिह भी जल्दी मतदान करने वालों में शामिल थे और उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी पार्टी विजयी होगी। रविवार के मतदान में उनके खराब प्रदर्शन पर उनकी पार्टी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। चुनाव प्रमुख फुआद तौफीक ने मतदान बंद होने के बाद कहा कि मतदान का आधा घंटा शेष रहने तक 284,663 मतदाताओं में से 73 प्रतिशत तक मतदान हो चुका था।

अमेरिका पाकिस्तान को दो रोटी खिलाकर... चार थपड़ मार रहा -साजिद तरार

इस्लामाबाद । अमेरिका ने चीन की तीन कंपनियों और बेलारूस की एक कंपनी पर प्रतिबंध लगा दिया हैं। लंबी दूरी की मिसाइल सहित पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए इन कंपनियों से उपकरणों की सप्लाई होती है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इससे जुड़ी जानकारी दी है, जो पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका है। चीन, पाकिस्तान का सर्वकालिक सहयोगी है। वह पाकिस्तान के महत्वाकांक्षी सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए हथियारों और रक्षा उपकरणों का मुख्य आपूर्तिकर्ता रहा है। पाकिस्तानी जानकार ने कहा कि अमेरिका से जब पैसा लिया जाएगा तब इस तरह के दबाव आएगा। विदेशी मामलों के जानकार साजिद तरार ने कहा, पाकिस्तान आज कमजोर है, दुनिया पाकिस्तान को जितना हो सके उतना कमजोर करने की कोशिश कर रही है।

अमेरिका मदद करता इसके पहले ही इजरायल ने गाजा में कर दी बमबारी, 22 की मौत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने शनिवार को 26 अरब अमेरिकी डॉलर के सहायता पैकेज को मंजूरी दे दी थी, जिसमें गाजा के लिए लगभग नौ अरब अमेरिकी डॉलर की मानवीय सहायता शामिल है। ये सहायता गाजा के लोगों को मिल पाती इसके पहले ही इजरायल में अंधाधुंध बमबारी कर दी,जिसमें 22 लोगों की मौत हो गई।

गाजा के दक्षिणी शहर रफह में रातभर किए गए इजरायली हमलों में 18 बच्चों सहित 22 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इजरायल ने रफह पर लगातार हवाई हमले किए हैं। गाजा की 23 लाख की आबादी में से आधे से अधिक लोगों ने कहीं और रहने के लिए शरण मांगी है। खास बात है कि ये घटना ऐसे समय पर हुई, जब अमेरिका गाजा के लिए अतिरिक्त सैन्य सहायता को मंजूरी देने की तैयारी कर रहा था।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बयान में कहा, आगामी दिनों में हम हमास पर राजनीतिक और सैन्य दबाव बढ़ाएंगे क्योंकि अपने बंधकों को वापस लाने और जीत हासिल करने का यही एकमात्र तरीका है। हम जल्द ही हमास पर और जबरदस्त हमला करेंगे। उन्होंने हालांकि इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायल-हमास युद्ध में 34 हजार से अधिक फलस्तीनी लोग मारे गए हैं। इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में भी तनाव बढ़ गया है। इजरायली सैनिकों ने दो फलस्तीनियों की हत्या कर दी। सेना का कहना है कि रविवार तड़के दक्षिणी वेस्ट बैंक के हेब्रोन शहर के निकट एक जांच चौकी पर चाकू और बंदूक से हमला किया गया। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मारे गए दोनों लोग एक ही परिवार से 18 और 19 साल के थे। दक्षिणी इजरायल में एक जबरदस्त हमले के बाद गाजा में सात अक्टूबर को युद्ध शुरू हुआ था जिसमें हमास और अन्य आतंकवादियों ने लगभग 1,200 लोगों को मार डाला था। मृतकों में ज्यादातर नागरिक थे और लगभग 250 बंधकों का अपहरण कर लिया गया था।

राईसी पहुंचे पाक के ऐतिहासिक दौरे पर

-ईरान के राष्ट्रपति का हुआ जोरदार स्वागत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति डॉक्टर इब्राहिम राईसी सोमवार को पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के ऐतिहासिक दौरे पर पहुंचे हैं। ईरानी राष्ट्रपति का इस्लामाबाद एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट बिछा जोरदार स्वागत किया गया है। इस दौरान पाकिस्तान के कई मंत्री राष्ट्रपति राईसी के स्वागत में एयरपोर्ट पहुंचे थे। गाजा पर छिड़े युद्ध के दौरान राईसी के पाक दौरे को अहम माना जा रहा है, इससे अमेरिका भी चिंतित नजर आया है और वह इस पर बारीक नजर रखे हुए है।

यहां बतलाते चलें कि राईसी के दौरे को इसलिए भी ऐतिहासिक बताया जा रहा है क्योंकि ईरानी राष्ट्रपति का 7 साल बाद यह पहला पाकिस्तान दौरा है। खास बात यह है कि ईरानी राष्ट्रपति राईसी ने यह दौरा ऐसे समय पर किया है जबकि गाजा में चल रही जंग के बीच इजराइल और अमेरिका के साथ उनके देश के युद्ध जैसे हालात बने हैं। गौरतलब है कि इससे पहले बताया गया था कि इजराइल के साथ मिसाइल हमले हुए जिसके बाद ईरानी राष्ट्रपति का दौरा रद्ध होने की बात भी सामने आई थी, लेकिन इन्हें अफवाह साबित करते हुए राईसी सोमवार सुबह पाकिस्तान पहुंच गए हैं। इस दौरे से यह माना जा रहा है कि ईरानी राष्ट्रपति ने अमेरिका और इजराइल को संदेश देने के लिए ही दौरा किया है। इस बीच पाकिस्तान ने ईरानी राष्ट्रपति का जोरदार स्वागत किया है, जिसे देख अमेरिका भड़का हुआ है और इस पर बारीक नजर रखने की बात कह रहा है। सूत्रों की मानें तो ईरानी राष्ट्रपति राईसी अगले 3 दिन तक पाकिस्तान में रहेंगे और गैस पाइपलाइन से लेकर क्षेत्र के हालात पर पाकिस्तान के साथ वार्ता करेंगे।

गौरतलब है कि इससे दो दिन पहले पाकिस्?तान और ईरान के बीच मिसाइलों से हमले की खबरें आम हुईं थीं और यह समझा जा रहा है कि इससे दोनों देशों के बीच रिश्तों में तनाव आया है। इस यात्रा के जरिए ईरानी राष्ट्रपति राईसी दोनों देशों के बीच के तनाव को खत्म कर सकते हैं। दरअसल ईरानी राष्ट्रपति के साथ उनके अनेक मंत्री और आला अधिकारी तथा प्रमुख बिजनसमैन भी पाकिस्तान पहुंचे हैं। इस दौरे के दौरान राईसी पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ समेत शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर बातचीत करेंगे।

यहां अमेरिका के बदलते रुख को देख पाकिस्तान ने कहा है कि ईरान के राष्ट्रपति का दौरा पहले से तय था, ऐसे में इसे युद्ध से जोड़ कर नहीं देखना चाहिए। वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी सूत्र बता रहे हैं कि सरकार इस दौरे को लेकर सतर्क है और बहुत बारीक नजर रखे हुए है।

रिपोर्ट में खुलासा: 2022 में 66 हजार भारतीय अमेरिकी नागरिक बने

- अमेरिकी नागरिकता पाने में भारत मेक्सिको के बाद दूसरे नंबर पर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के अमेरिकी सामुदायिक सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में विदेशी मूल के अनुमानित चार करोड़ 60 लाख लोग अमेरिका में रहे जो अमेरिका की कुल 33 करोड़ 33 लाख आबादी का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं वर्ष 2022 में कम से कम 65,960 भारतीय आधिकारिक तौर पर अमेरिकी नागरिक बन गए और इसके साथ जिन देशो के लोगों को अमेरिकी नागरिकता मिली है, उनकी संख्या में भारत मेक्सिको के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गया।

स्वतंत्र 'कांग्रेशनल अनुसंधान सेवा' (सीआरएस) की वित्त वर्ष 2022 के लिए 'यूएस नेचुरलाइजेशन पॉलिसी' (अमेरिकी नागरिकता नीति) पर 15 अप्रैल को जारी नई रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2022 में 9,69,380 लोगों को अमेरिकी नागरिकता मिल गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अमेरिकी नागरिकता पाने वाले लोगों में मेक्सिको में जन्मे लोगों की संख्या सबसे अधिक रही। इसके बाद भारत, फिलीपीन, क्यूबा और डोमिनिकन गणराज्य के लोगों को सबसे ज्यादा अमेरिकी नागरिकता मिली। सीआरएस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 में मेक्सिको के 1,28,878 नागरिक अमेरिकी नागरिक बने। उनके बाद भारत (65,960), फिलीपीन (53,413), क्यूबा (46,913), डोमिनिकन गणराज्य (34,525), वियतनाम (33,246) और चीन (27,038) के लोगों को अमेरिकी नागरिकता मिली।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 तक विदेशी मूल के अमेरिकी नागरिकों में भारत के लोगों की संख्या 2,831,330 थी जो मेक्सिको के (10,638,429) के बाद दूसरी सर्वाधिक संख्या है। इसके बाद सूची में चीन (2,225,447) का नंबर आता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिका में रहने वाले भारत में जन्मे लगभग 42 प्रतिशत विदेशी नागरिक वर्तमान में अमेरिकी नागरिक बनने के लिए अयोग्य हैं।

संपादकीय

अंतरिक्ष में चीन

स्टार वार की कल्पना पुरानी है, पर उस दिशा में नए-नए प्रयासों की खबरें यदा-कदा आती रहती हैं। रूस-अमेरिका के बीच 1960-70 के दशक में अंतरिक्ष विज्ञान के मोर्चे पर गजब होड़ थी और उसी होड़ के चलते इंसान चांद पर कदम रखने में कामयाब हुआ। जब वह होड़ खत्म हुई, तो धीरे-धीरे अंतरिक्ष विज्ञान सैटेलाइट तक सीमित होता गया, पर हकीकत यह है कि अंतरिक्ष में अपनी ताकत दिखाने की होड़ खत्म नहीं हुई है। इसी दिशा में ताजा चिंताजनक खबर यह है कि चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम वास्तव में सैन्य योजना का हिस्सा है। अमेरिकी अंतरिक्ष विज्ञान संस्था नासा के प्रमुख ने चेतावनी दी है कि चीन अपने सामरिक मकसद को छिपाने के लिए नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों का उपयोग कर रहा है। ऐसे में, वाशिंगटन को सतर्क रहना चाहिए। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कैपिटल हिल में सांसदों को बताया कि चीन ने अंतरिक्ष के मोर्चे पर पिछले 10 वर्षों में असाधारण प्रगति की है, पर प्रगति बहुत गोपनीय है। ऐसा लगता है कि चीन के बारे में कोई नई बड़ी सूचना अमेरिका के हाथ लगी है, तभी नासा ने साफ शब्दों में स्वीकार किया है कि अंतरिक्ष में होड़ जारी है। चीन पर अमेरिका के अविश्वास पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। चीन अपनी किसी भी योजना को युद्ध स्तर पर ही बनाता और लागू करता है। मामला खेल का हो, उत्पादन का हो या तकनीक का, उसकी कोशिश हमेशा से अपने सामरिक हितों के अनुरूप रही है। वैसे अमेरिका भी लंबे समय तक इसी रणनीति के तहत काम करता रहा है। बड़ा सवाल अब यह है कि चीन को रोकने के लिए अमेरिका के पास क्या योजना है? क्या अमेरिका के पास कोई ठोस सूचना है, जिससे पता चल सके कि चीन अंतरिक्ष में सैन्य मोर्चा सजा चुका है? अगर ऐसी कोई ठोस सूचना है, तो पूरी दुनिया को पता चलना चाहिए, पर अमेरिका की जो योजना दिखती है, वह आश्वस्त नहीं करती। दरअसल, नासा को अपनी सरकार से बड़ा बजट चाहिए, इसलिए उसके प्रमुख ने अमेरिकी संसदीय समिति के सामने चीन के संबंध में चेतावनी दी है। क्या अमेरिका इस बात से डर रहा है कि अगर चीन चांद पर पहले पहुंच गया, तो किसी और देश को वहां नहीं पहुंचने देगा? इसका मतलब है कि नासा को ज्यादा बजट चाहिए, ताकि वह चांद पर जल्दी पहुंच जाए। वैसे भी, चांद पर अमेरिका सबसे मजबूत है और चीन को चांद पर अभियान भेजने में अभी समय लगेगा। हां, अमेरिका की पकड़ निश्चित रूप से कमजोर पड़ी है और इसके लिए वह स्वयं दोषी है। अमेरिका ने एक लंबा समय अपने पूरे संसाधनों के साथ दुनिया के तानाशाहों, उग्र संगठनों, इराक, अफगानिस्तान व अरब दुनिया में लगाया, जबकि इसी समय में चीन ने तकनीक और विज्ञान पर अपनी पकड़ को मजबूत बनाने में ध्यान दिया है। नासा की ताजा बेचैनी को समझा जा सकता है। चीन 2022 में पृथ्वी की परिक्रमा करने वाला स्वतंत्र अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित कर चुका है। इस स्टेशन के बारे में दुनिया को ज्यादा जानकारी नहीं है और यही सबसे खतरनाक बात है। अमेरिका या नासा को अगर समझ आ गई है, तो अब वह कहां से शुरुआत करेगा? ध्यान रहे, चीन की तकनीकी तरक्की में अमेरिका का सर्वाधिक योगदान है और अब भी उसकी चीन संबंधी नीतियां स्पष्ट नहीं हैं। अमेरिका के पास अब कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

आज का राशिफल

मेष — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यो में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह — व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या — रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक — व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन — जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

संकटमोचन हनुमान के हृदय में बसते है राम!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

भगवान राम के परमभक्त हनुमान को संकटमोचन कहा जाता है। हनुमान की पूजा करने से हर प्रकार के संकट और बाधाओं से मुक्त हो जाते हैं,ऐसी मान्यता है। अपने भक्तों को हनुमान हर भय, पीड़ा से मुक्त रखते हैं। हनुमान की स्तुति यूं तो हरदिन की जाती है,लेकिन हनुमान जयंती पर इसका विशेष महत्व है। इसी दिन हनुमान का जन्म हुआ था। इस दिन हनुमानजी के नाम का व्रत करके बूंदी, हलवा, लड्डू जैसी मीठी चीजों का भोग लगाने से हनुमान की कृपा हमेशा अपने भक्तों पर बनी रहती है।चैत्र पूर्णिमा के तिथि 23 अप्रैल 2024 को सुबह 3ः25 बजे से हनुमान जयंती शुरू होगी, और 24 अप्रैल 2024 को सुबह 5ः18 बजे पर समाप्त होगी। इस कारण से हनुमान जयंती 23 अप्रैल को मनाई जा रही है। सुबह 3ः25 बजे से लेकर 5ः18 बजे के बीच हनुमान जी की पूजा कर सकते हैं। इस दिन चित्रा नक्षत्र भी पड़ रहा है, चित्रा नक्षत्र के स्वामी मंगल है। मंगलवार का दिन भगवान हनुमान को समर्पित होता है। हनुमान जयंती पर एक और संयोग बन रहा है कि इस दिन मंगल मीन राशि में गोचर कर रहे हैं। पौराणिक कहानियों के अनुसार हनुमान जी को अमरत्व का वरदान प्राप्त है। हनुमान बाबा पर आस्था और श्रद्धा रखने वाले भक्त मानते हैं कि हनुमान जी कलियुग में भी जीवित हैं और अपने भक्तों के सभी संकटों और कष्टों को दूर कर रहे हैं। जो लोग आकस्मिक संकट, रोग पीड़ा, मृत्यु भय जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, उन्हें हनुमान जी की पूजा जरूर करनी चाहिए। भगवान राम के भक्त हनुमान जी की रामभक्ति अनुकरणीय रही है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के दशवे अध्याय में कहा है कि रूद्रो में शंकर मैं ही हूं। अर्थात मैं ही हनुमान भी हूं जो सभी भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते है।

कहते है, हनुमान ने सुरसा की बात मान ली थी और उसका भोजन बनना स्वीकार कर लिया था, सुरसा ने ज्यों ही मुंह खोला, पवन पुत्र ने अपना आकार विशाल कर लिया। यह देख सुरसा ने भी अपना आकार बड़ा कर लिया। जब हनुमान ने देखा कि सुरसा ने अपनी सीमा लांघ कर मुंह का आकार और भी बड़ा कर लिया तो वे तत्काल अपने विशाल रूप को समेटते हुये उसके मुंह के अंदर गये और बाहर वापस आ गये। हनुमान के बुद्धि कौशल से प्रसन्न होकर सुरसा ने उन्हें आर्शीवाद देते हुये कहा पुत्र, तुम अपने कार्य में सफल हो। हनुमान ने अपने शरीर को पहले विशालकाय और फिर एक छोटे रूप से महिमा तथा लधिमा सिद्धि के बल पर किया था। हनुमान रूद्र के ग्यारहवें अवतार माने जाते है। संकटमोचक हनुमान अष्ट सिद्धि और नव निधि के दाता भी है। हनुमान अणिमा, लधिमा, गरिमा, प्राप्ति, प्रकाम्य, महिमा, इशित्व और वशित्व इन सभी आठ प्रकार की सिद्धियों के स्वामी है।आध्यात्मिक चिंतक डॉ मुरलीधर की माने तो, राम जब लक्ष्मण के साथ सीता जी को वन-वन खोज रहे थे तब वहां ब्राह्मण वेश में हनुमानजी अपनी सरलता, वाणी और ज्ञान से रामजी को प्रभावित कर लेते है। वह वंशीकरण वशित्व सिद्धि है। माता सीता को खोजने के क्रम में जब पवन पुत्र सागर को पार करने के लिए विराट रूप धारण करते है तो उनका यह कार्य महिमा सिद्धि का रूप धारण कर लेता है। इसी प्रकार जब हनुमान सागर पार कर लंका में प्रवेश करने के लिए आगे बढ़े तो अति सूक्ष्म रूप धर कर अणिमा सिद्धि को साकार किया। माता सीता को खोजते खोजते जब बजरंग बली अशोक वाटिका में पहुंचे तो उनके लघु रूप बनने में लधिमा सिद्धि काम आयी। इसी प्रकार पवन सुत की गरिमा सिद्धि के दर्शन करने के लिए महाभारत काल में जाना होगा, जब हनुमान महाबली भीम के बल के अंधकार को तोड़ने के लिए बूढ़े बानर का रूप धारण उनके मार्ग में लेट गये थे और भीम उनकी पूंछ को हिला भी नही पायें। इसी प्रकार बाल हनुमान के मन में उगते हुये सूर्य को पाने की अभिलाषा जागी तो उन्होंने उसे पकड़ कर मुंह में रख लिया तो अभिलाषा सिद्धि के दर्शन हुये। प्राकाम्य सिद्धि को समझने के लिए पवन पुत्र की राम के प्रति भक्ति को समझना होगा। रामभक्त हनुमान ने राम की भक्ति के अलावा और कुछ नही चाहा और वह उन्हें मिल गयी। इसलिए कहा जाता है कि हनुमान की कृपा पाए बिना राम की कृपा नही मिलती। पवन पुत्र की राम के प्रति अनन्य भक्ति का ही परिणाम था कि उन्हें प्रभुत्व और अधिकार की प्राप्ति स्वतः ही हो गयी इसे ही इंशित्व सिद्धि कहते है। इसी प्रकार नव रत्नों को ही नौ निधि कहा जाता है। ये है-पद्म महापद्म, शंख, मकर, कच्छप, मुकुंद, कुंद, नील और खर्ब। सांसारिक जगत के लिए ये निधियां भले ही बहुत महत्व रखती हों, लेकिन भक्त हनुमान के लिए तो केवल राम नाम की मणि ही सबसे ज्यादा मूल्यवान है। रावध वध के पश्चात एक दिन श्रीराम सीताजी के साथ दरबार में बैठे थे। उन्होंने सभी को कुछ न कुछ उपहार दिय।

श्रीराम ने हनुमान को भी उपहारस्वरूप मूल्यवान मोतियों की माला भेंट की। पवन पुत्र उस माला से मोती निकाल निकालकर दांतों से तोड़ तोड़कर देखने लगे। हनुमान के इस कार्य को देखकर भगवान राम ने हनुमान से पूछा, हे पवन पुत्र आप इन मोतियों में क्या ढूंढ रहे हो? पवन पुत्र ने कहा, प्रभु मैं आपको और माता को इन मोतियों में ढूंढ रहा हूं। लेकिन इसमें आप कही नही दिखाई दे रहे है और जिस वस्तु में आप नही, वह मेरे लिए व्यर्थ है। यह देख एक दरबारी ने उसने कहा पवन पुत्र क्या आपको लगता है कि आपके शरीर में भी भगवान है? अगर ऐसा है तो हमें दिखाइए। नही तो आपका यह शरीर भी व्यर्थ है। यह सुनकर हनुमान ने भरी सभा में अपना सीना चीरकर दिखा दिया। पूरी सभा यह देखकर हैरान थी कि भगवान राम माता जानकी के साथ हनुमान के हृदय में विराजमान है।तभी तो हनुमानजी को राम का परमभक्त होने का सम्मान मिला और वे चिरंजीवी कहलाये।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

खाद्य आपूर्ति शृंखला के लिए एक बड़ा खतरा

माइक्रोप्लास्टिक

डॉ. सनी धीमान/ डॉ. अनु कुमार

आधुनिक युग में, हमारी वैश्विक खाद्य आपूर्ति शृंखला दक्षता और नवीनता का चमत्कार है। जिससे हम दुनियाभर के विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों का आनंद ले सकते हैं। हालांकि, इस सुविधा की सतह के नीचे एक घातक खतरा छिपा हुआ है ः माइक्रोप्लास्टिक। ये छोटे प्लास्टिक कण, जो अक्सर नग्न आंखों के लिए अदृश्य होते हैं, उत्पादन से लेकर खपत तक, आपूर्ति शृंखला के हर चरण में हमारे भोजन को दूषित कर रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक हर जगह हैं, समुद्र की गहराई से लेकर सबसे ऊंची चोटियों तक, और उन्होंने हमारे ग्रह के सबसे दूरस्थ कोनों में भी घुसपैठ की है। ये छोटे कण विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न होते हैं, जिनमें प्लास्टिक की बड़ी वस्तुओं का टूटना, व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों में उपयोग किए जाने वाले माइक्रोबीड्स और कपड़ों से निकलने वाला सिंथेटिक फाइबर का अंश शामिल होता है। एक बार पर्यावरण में आने पर उन्हें हवा और पानी के जरिये लंबी दूरी तक ले जाया जा सकता है। अंततः हमारी खाद्य शृंखला ही दूषित होती है। प्राथमिक मार्गों में से एक, जिसके माध्यम से माइक्रो प्लास्टिक्स हमारी खाद्य आपूर्ति में प्रवेश करता है, जल स्रोतों के संदूषण के माध्यम से होता है। नदियां, झीलें और महासागर प्लास्टिक कचरे के भंडार के रूप में तब्दील हो गए हैं, जो धीरे-धीरे छोटे और छोटे टुकड़ों में टूट जाता है। समुद्री जानवर इन कणों को भोजन समझने की गलती करते हैं, उन्हें निगलना और प्लास्टिक प्रदूषण के अनजाने वाहक बन जाते हैं। चूंकि बड़े शिकारी इस दूषित शिकार का उपभोग करते हैं, माइक्रोप्लास्टिक्स खाद्य शृंखला को जैव संचय करते हैं, अंततः मनुष्यों तक पहुंचते हैं। लेकिन माइक्रोप्लास्टिक का खतरा समुद्री भोजन के साथ समाप्त नहीं होता है। हाल के अध्ययनों में पाया गया है कि इन छोटे कणों ने नमक, शहद और यहां तक कि बीयर सहित अन्य खाद्य स्रोतों में भी घुसपैठ की है। हमारे पर्यावरण में प्लास्टिक की बहुतायत उपलब्धता का मतलब है कि खाद्य शृंखला का कोई भी कोना संदूषण से सुरक्षित नहीं है। माइक्रोप्लास्टिक्स के खाद्य शृंखला का हिस्सा बनने से इसके स्वास्थ्य पर प्रभाव के निहितार्थ अभी भी पूरी तरह से समझे जा रहे हैं, लेकिन हालिया शोध से पता चलता है कि ये मानव स्वास्थ्य के लिए बड़े जोखिम पैदा कर सकते हैं। नये अध्ययनों ने माइक्रोप्लास्टिक्स के संपर्क को स्वास्थ्य समस्याओं की एक शृंखला के साथ जोड़ा है, जिसमें सूजन, ऑक्सीडेटिव तनाव और जठरांत्र संबंधी मार्ग को नुकसान शामिल है। इसके अलावा, चिंता है कि माइक्रोप्लास्टिक्स हानिकारक रसायनों के लिए प्रसारक के रूप में कार्य कर सकता है, जैसे कि अंतःस्रावी अवरोधक और कार्सिनोजेन्स, जो प्लास्टिक के कणों से शरीर में लीच कर सकते हैं। मानव स्वास्थ्य पर प्रत्यक्ष प्रभाव से परे, माइक्रोप्लास्टिक पर्यावरण और वन्यजीवों के लिये भी खतरा पैदा करता है। प्लास्टिक को निगलने वाले समुद्री जानवर अक्सर आंतरिक चोटों, भुखमरी और प्रजनन समस्याओं से पीड़ित होते हैं, जिससे इनकी आबादी में गिरावट और पारिस्थितिकी तंत्र में व्यवधान होता है। मिट्टी और पानी में माइक्रोप्लास्टिक्स की उपस्थिति भी कृषि उत्पादकता और जैव विविधता पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती है, जिससे हम जिस पर्यावरणीय संकट का सामना कर रहे हैं, वह और बढ़ सकता है। हमारी खाद्य आपूर्ति शृंखला में माइक्रोप्लास्टिक संदूषण के मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन और बायोडिग्रेडेबल विकल्पों के विकास जैसे उपायों के माध्यम से अपने स्रोत पर प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के प्रयास आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त, हमारी खाद्य आपूर्ति में माइक्रोप्लास्टिक्स के प्रसार को रोकने के लिए खाद्य उत्पादन और पैकेजिंग प्रक्रियाओं की अधिक कठोर निगरानी और विनियमन की आवश्यकता है। उपभोक्ताओं के रूप में, माइक्रोप्लास्टिक संकट से निपटने में भी हमारी भूमिका है। न्यूनतम प्लास्टिक पैकेजिंग वाले उत्पादों का

चयन करके, स्थिरता को प्राथमिकता देने वाली कंपनियों का समर्थन करके, और अपनी प्लास्टिक की खपत को कम करके, हम प्लास्टिक की मांग को कम करने और पर्यावरण व मानव स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। हमारी खाद्य आपूर्ति शृंखला में माइक्रोप्लास्टिक्स की व्यापकता वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र के परस्पर संबंध और प्लास्टिक प्रदूषण संकट को दूर करने के लिए कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता की याद दिलाती है। केवल व्यक्तिगत, कॉर्पोरेट और सरकारी स्तरों पर ठोस प्रयासों के माध्यम से हम अपनी खाद्य आपूर्ति की रक्षा करने और भविष्य की पीढ़ियों के स्वास्थ्य की रक्षा करने की उम्मीद कर सकते हैं। अब कार्रवाई करने का समय आ गया है।

विचार मंथन

लोकसभा चुनाव को धार्मिक ध्रुवीकरण की ओर ले जाने की कोशिश

(लेखक - सनत जैन)

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान हो चुका है। 102 सीटों पर हुए मतदान के बाद जो स्थिति सामने आई है। उसके बाद एक बार फिर लोकसभा चुनाव को धार्मिक ध्रुवीकरण की ओर ले जाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र जारी किया था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले मुस्लिम लीग के साथ जोड़ दिया। कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुसलमानों का कोई उल्लेख ही नहीं था। कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के जालौर में जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, कांग्रेस यदि सत्ता में वापस आएगी, तो वह लोगों की संपत्ति को ज्यादा बच्चे वाले लोगों के बीच मुसलमानों में बांट देगी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कहा है कि वह माता और बहनों के सोने का सर्वे करेगी। प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन में यह भी सवाल किया, आपकी मेहनत की कमाई को क्या घुसपैठियों और नक्सली मानसिकता वाले लोगों के बीच में बांटना चाहिए। कांग्रेस महिलाओं के मंगलसूत्र को भी नहीं छोड़ेंगे। ऐसा कहकर उन्होंने महिलाओं के साथ-साथ हिंदुओं के बीच में धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा करने की कोशिश की है। अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बन चुका है मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा भी हो चुकी है। भाजपा को लगता था, मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद हिंदुओं का सैलाब भाजपा के साथ जुडेगा। उत्तर से दक्षिण तक पश्चिम से पूर्व तक हिंदुत्व की लहर चलना शुरू हो जाएगी। चारों शंकराचार्य के अयोध्या नहीं पहुंचने तथा मंदिर के शिखर का काम पूरा नहीं होने के बाद भी मंदिर में की गई प्राण प्रतिष्ठा शंकराचार्य ने को अपशगुन बताया था। उसके बाद से ही हिंदुत्व की हवा और मंदिर का जो लाभ भाजपा को मिलना चाहिए था, वह नहीं मिल पा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के जिस बयान को आधार बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुसलमानों से जोड़कर जो कहा है, ऐसा मनमोहन सिंह ने कभी नहीं कहा था। इसे कई बार मीडिया दिखा भी चुका है। योजना आयोग की बैठक में उन्होंने यह कहा था कि अल्पसंख्यक वर्गों की भी इसमें हिस्सेदारी होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया था। एससी, एसटी तथा अल्पसंख्यक समुदाय को भी आर्थिक लाभ मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस की घोषणा पत्र की गलत व्याख्या की है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बयान को तोड़मोड़ करके प्रस्तुत कर धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा करने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा इस बात को भूल रहे हैं कि 2024 का चुनाव 2014 और 2019 के चुनाव से अलग है। उस समय लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा कर रहे थे। 2014 के चुनाव में उन्होंने 60 महीने का समय मांगा था। अच्छे दिनों का वायदा किया था। महंगाई कम करने का वादा किया था। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम घटाने की बात कही थी। 2 करोड लोगों को नौकरी देने की बात कही थी। काला धन देश में वापस लाकर 15 लाख रुपए गरीबों के खाते में भेजने की बात कही थी। तब कांग्रेस के प्रति लोगों में अविश्वास था। नरेंद्र मोदी के ऊपर जनता विश्वास कर रही थी। 2019 के चुनाव में प्रधानमंत्री ने एक बार का कार्यकाल और मांगा। नोटबंदी के बाद काला धन वापस लाने का भरोसा दिलाया। लोगों को काले धन से उन्हें आर्थिक मदद करने का भरोसा दिलाया। राम मंदिर बनाने का भरोसा पैदा किया। धारा 370 जैसे मामले में धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा करके 2014 और 2019 का लोकसभा चुनाव भाजपा ने जीत लिया। पिछले 10 वर्षों में जो वायदे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए थे। उनमें से कोई भी वायदा पूरा नहीं हुआ। युवाओं को नौकरी नहीं मिली, केंद्र एवं राज्य सरकारों ने अपने रिक्त पदों को नहीं भरा। सरकार ने ऐसी कोई नीतियां नहीं बनाई, जिससे युवाओं को रोजगार मिले। 2022 तक सबको पक्के मकान देने का वादा किया गया था, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ। कुछ ही लोगों को पक्के मकान मिले हैं। उन्हें भी रिश्वत देनी पड़ी है रही सही कसर हाल ही में चुनावी बांड का जो डाटा सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बाहर आया है उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईमानदार और भारतीय जनता पार्टी की भ्रष्टाचार मुक्त छवि को आम जनता के सामने उजागर कर दिया है। पिछले 10 वर्षों में देश में भ्रष्टाचार बढ़ा है, महंगाई बढी है। लोगों पर टैक्स और शुल्क बढ़ाए गए हैं। जिसके कारण गरीब हो या मध्यम वर्गीय परिवार सभी का जीना मुश्किल हो गया है। मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति कम हुई है। उसके ऊपर कर्ज बढ़ गया है।

जिसके कारण भाजपा के चुनाव प्रचार, गोदी मीडिया के प्रचार का असर आम जनता पर नहीं पड़ रहा है। पहली बार नरेंद्र मोदी, भाजपा और गोदी मीडिया को विश्वसनीयता के संकट के दौर से गुजरना पड़ रहा है।

कैसे बनाएं अपने आपको क्रिएटिव...

हम सभी एक जुदा अंदाज में जीना चाहते हैं, लाइफ को क्रिएटिव बनाना चाहते हैं। मगर कैसे?

लाइफ को क्रिएटिव बनाने की इस इच्छा को पूरी करना चाहते हैं तो इसके लिए प्रयास भी आप ही को करना होगा। यह प्रयास कुछ अलग किस्म के होंगे, जैसे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर कुछ नया करने की कोशिश करें।

आपकी तरह सोचने वाले लोगों से मिले-जुलें और अपने आइडियाज शेयर करें। इन चीजों से धीरे-धीरे लाइफ में बदलाव आने लगेंगे।

सीखें कुछ नया

लाइफ को क्रिएटिव बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले यह बात समझ लें कि सीखने की कोई सीमा तय नहीं होती है। नई-नई चीजें सीखें। कुछ नया सोचें या फिर पुरानी चीजों को नए तरीकों से करने के बारे में सोचें। कुछ नया सोचने के लिए इमेजिनेशन होना जरूरी है। हर वक्त नया सोचने के प्रयास से इमेजिनेशन पावर बढ़ती है, जो क्रिएटिविटी के लिए बहुत जरूरी है।

नई चीजें सीखते हुए अकसर असफलता का डर होता है। इस डर को मन से निकाल दें। याद रखें, क्रिएटिव लोगों में यही खास बात होती है कि वो कभी भी असफलताओं से डरते नहीं हैं। कुछ नया सीखने का जज्बा इस डर से बड़ा होता है।

अब आपको कोई चीज क्यों रोके? तो फिर अब हर हफ्ते कम से कम एक नई चीज सीखने की कोशिश करें। छोटी-छोटी चीजों से शुरू करें जैसे कि कोई नई डिश बनाएं या फिर अपने कमरे को किसी नए तरीके से सजाएं।

क्रिएटिव लोगों से जुड़ें

क्रिएटिव लोगों से मिलते-जुलते रहें, मिलने का समय न हो तो किसी भी अन्य तरीके से जुड़ें। इससे आपको प्रेरणा मिलेगी। इस तरह लोगों से जुड़ने पर आप अपने आइडियाज बेझिझक शेयर कर सकते हैं और नई बातें भी जान सकेंगे।

क्रिएटिव लोगों से जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका है कि अपने शौक के अनुरूप कोई क्लब या ग्रुप जॉइन कर लें। इसके अलावा सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्स पर आप अपना खुद का ग्रुप बनाकर लोगों को इनवाइट कर सकते हैं, डिसकशन्स कर सकते हैं।

इस तरह के ग्रुप्स एक बढ़िया सपोर्ट सिस्टम की तरह काम करते हैं। साथ ही आपकी लाइफ को क्रिएटिव बनाने में सहायक भी होते हैं।

तपती गर्मी में पाएं खिली-खिली ताजगी

गर्मी में अगर आप अगर बहुत थकान महसूस कर रहे हैं तो पानी के छींटों से आप फ्रेश महसूस करेंगे। सादा पानी भी आपकी त्वचा को तरोताजा रखता है। वह एक प्राकृतिक मॉइस्चराइज़र की तरह काम करता है। खीरे के जूस को आप चेहरे पर लगाएं तो इससे चेहरे पर ठंडक महसूस होगी तथा सनबर्न (धूप की जलन) की समस्या से बचे रहेंगे।

* ऑफिस से जब आप लौट कर आते हैं तब आप अपने पैर, हाथ, हल्के गुनगुने पानी में डाल कर रखें जिससे आपकी सारी थकान कम हो जाएगी। अगर आप चाहें तो इस पानी में थोड़ा सा नमक भी डाल सकते हैं। इससे पैर कोमल हो जाते हैं। आप सोफ्टनर से पैरो के तलवे को साफ कर सकते हैं। 10 से 15 मिनट तक अपने पैर को पानी में डालकर रखें इससे शरीर का रक्तसंचार भी बढ़ेगा।

* एक बोतल में आप थोड़ा सा कोलोन या परफ्यूम की थोड़ी सी बूंदों को लेकर अधिक मात्रा पानी के साथ उसे मिला दें, स्प्रे बोतल की तरह इसे इस्तेमाल कर आप रिफ्रेश हो सकते हैं।

* त्वचा के मुंहासों के लिए चन्दन तथा गुलाब के जल से पेस्ट बनाकर अपने चेहरे पर लगाएं। इस समस्या से आपको राहत मिल सकती हैं। रात भर इसे रखें तथा दूसरे दिन इसे धो लें।

* चेहरा केवल ऊपर से साफ नहीं होता हैं बल्कि इसे भीतर से भी साफ करना चाहिए। इसके लिए आप नींबू का रस तथा चीनी को मिलाकर अपने चेहरे पर धीरे-धीरे रगड़ें। इससे आपकी त्वचा भीतर से साफ हो जाएगी तथा चेहरे के झुलसे हुए दाग में भी आराम पड़ेगा।

* केले को लेकर आप इसे दूध के साथ मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं तो आपका चेहरा कोमल होगा और इस पर निखार आ जाएगा।

* हल्दी के साथ दूध को मिलाकर लगाएं तो आपकी झुलसी हुई त्वचा की समस्या हल होगी तथा फेशियल बाल कम हो सकते हैं।

अपने बच्चे को पढ़ने के लिए प्रोत्साहन दीजिए

भले ही आज स्मार्ट फोन और टैबलेट की जनरेशन (पीढ़ी) अपने ज्ञान की क्षमताओं में एक कदम आगे है फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने बच्चे को शुरुआती सालों से ही पढ़ने के लिए प्रोत्साहित और तैयार करें। माता-पिता की बहुत-सी जिम्मेदारियां होती हैं जिसमें से एक है कि वे अपने बच्चे की पढ़ने के प्रति रुचि बढ़ाएं। कैसे आप पढ़ने में उनकी रुचि बढ़ा सकते हैं :-

उनकी पसंदीदा किताब लें - अगर आपके बच्चे का कोई पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर है तो उसे टीवी देखने देने की बजाय किताब गिफ्ट करें। किताबों की दुकानें बहुत से कार्टून किताबों से भरी हैं। ये समान रूप से आकर्षक हों, नए के साथ पिक्टोरियल हों तो ध्यान जोड़े रखती हैं।

उनके लिए पढ़ें - अगर आप अपने बच्चों के लिए फैरी टेल या कार्टून की किताबें लाई हैं तो आप उन्हें अपने बच्चों के लिए पढ़ें। हो सकता है शुरुआत में बच्चे रुचि न लें तो आप उसे खुद पढ़ना शुरू करें। इससे आपके बच्चों में जिज्ञासा बढ़ेगी कि किताब में ऐसा क्या है, जो आप इसे पढ़ रहे हैं और उसे प्रोत्साहित भी करेगा। इसके बाद आप बच्चों को इस प्रक्रिया में शामिल कर सकते हैं।

किताबों से सुनाएं - कहानियों को रोमांचक तरह से सुनाएं। जरूरी नहीं है कि कहानी जैसी लिखी है आपको वैसे ही सुनानी है। आप उसमें कुछ अपने बचपन की दिलचस्प बातें जोड़ सकती हैं या फिर कहानियों के किरदार की तुलना अपने बच्चों से कर सकती हैं। यह बच्चों को जोड़े रखता है।

पूरी प्रक्रिया का आनंद लें। यह न सोचें कि यह थकाऊ प्रक्रिया है। इससे आपका बच्चा रुचि खो सकता है। हमेशा चार्ज अप लगें।

मां बनने के एक साल के अंदर घटाएं वजन

मां बनने के एक साल के अन्दर महिलाओं ने अगर अपने वजन पर नियंत्रण नहीं किया तो उन्हें हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी कई बीमारियां घेर सकती हैं।

ब्रिटिश दैनिक में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि कनाडा में टोरंटो के माउंट सिनाई अस्पताल के मधुमेह केंद्र ने अपने नए शोध में यह बताया है कि महिला के लिए मां बनने के बाद के पहले तीन महीने सुरक्षित होते हैं क्योंकि इस दौरान उनके शरीर में उतने बदलाव नहीं होते इसलिए हृदयरोग, मधुमेह या उच्च रक्तचाप का खतरा इस दौरान उतना अधिक नहीं रहता है।

शोध पत्रिका डायबिटीज केयर में प्रकाशित इस शोध के मुताबिक तीन महीने के बाद पूरे साल तक मां के शरीर में तरह-तरह के बदलाव होते हैं। इस दौरान उनके शरीर में उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्राल और इंसुलिन की सक्रियता काफी बढ़ जाती है और उनके हृदय संबंधी रोग से ग्रसित होने का खतरा काफी बढ़ जाता है।

शोध के दौरान 300 गर्भवती महिलाओं पर पूरे नौ महीने और बच्चे के जन्म के एक साल बाद तक निगरानी की गई और उनकी नियमित जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि अगर बच्चे को जन्म देने के एक साल के अंदर मां ने अपने वजन को कम नहीं किया तो उसके मधुमेह से पीड़ित होने का खतरा बढ़ जाता है।

उन्होंने पाया कि बच्चे के जन्म के एक साल के अंदर तीन चौथाई मांओं ने अपने वजन पर काबू पा लिया और उनका कोलेस्ट्राल तथा रक्तचाप का स्तर सामान्य रहा, लेकिन जिन एक तिहाई महिलाओं का वजन इन दौरान बढ़ गया उनके मधुमेह और हृदय रोग से पीड़ित होने की संभावना भी काफी बढ़ गई। शोधकर्ता डॉक्टर रवि रत्नाकरन ने कहा कि इस शोध के कारण अब महिलाओं को बच्चे के जन्म के एक साल के अंदर वजन घटाने की सलाह दी जाती है।

सिर्फ 15 दिनों में चेहरा खूबसूरत बनाएं जानिए कैसे

हम अपना चेहरा चमकाने के लिए ब्यूटी पार्लर के मोहताज होते हैं या फिर कुछ घरेलू उपचार का सहारा लेते हैं। यहां तक कि आधुनिक तकनीक से बोटोक्स की भी शरण में चले जाते हैं। यहां पेश है कुछ ऐसे उपाय जिसके लिए ना महंगी दवाई की जरूरत है ना ही फेसपैक और पार्लर के नखरों की।

प्रस्तुत है चेहरे के कुछ ऐसे व्यायाम जिन्हें आप आसानी से कहीं भी और कभी भी कर सकते हैं और बढ़ा सकते हैं अपने चेहरे की रौनक। इन्हें हम फेशियल योगा का नाम दे सकते हैं। प्रत्येक फेशियल योगा 8-10 से 20 बार प्रतिदिन 5 से 7 मिनट तक करें। इससे आपको 15 दिन में ही फर्क नजर आने लगेगा।

फेशियल योगा स्टेप्स

1 गर्दन सीधी रखकर आईब्रो ऊपर-नीचे करें।
2 भौहें सिकोड़ें, माथे पर आड़े व खड़े सल डालें।
3 गर्दन सीधी रखें व ऊपर-नीचे देखें।
4 आंखों को दोनों दिशा में गोल घुमाएं।
5 आंखों पर हथेली रगड़कर कुछ देर रखें।
6 सुबह व रात आंखों को ठंडे पानी से धोएं।
7 नथुने फुलाएं व ढीला छोड़ दें।
8 पूरा मुंह खोलें व बंद करें।
9 जबड़ा दाएं-बाएं हिलाएं।
10 होठों को सिकोडें व फैलाएं।
11 दांत दिखाएं व बंद करें।
12 मुंह से फुग्गा फुलाएं।
13 दांत पर दांत रखकर जमकर दबाएं।
14 गर्दन की चमड़ी को खीचें, जबड़ा टाइट करें।
15 दस तक गिनते हुए गर्दन को पीछे ले जाएं।
16 मुंह में पानी भरकर हिलाएं।
17 सोने के पहले प्रतिदिन चेहरे को साफ करें। यदि आप वर्किंग वूमन हैं तो डीप क्लीजिंग मिल्क से साफ करें।

व्यायाम के अतिरिक्त संतुलित खान-पान आपकी त्वचा में असली चमक लाता है। अत: भोजन में दूध, दही, सलाद, फल, हरी सब्जियां अवश्य लें। पर्याप्त पानी पिएं, सूर्य की तेज किरणों से बचें व धूप का चश्मा लगाएं।

छह चीजों से चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढिया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें- गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदा - इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा- इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा- नीबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा- खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटाामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटाामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं- चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

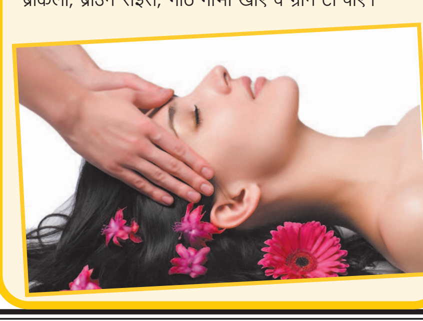

क्रेडिट कार्ड से कुछ भुगतान में हुए बदलाव

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक क्रेडिट कार्ड के तहत किए जाने वाले भुगतान को लेकर बड़ा फैसला कर सकता है। सूत्रों की मानें तो क्रेडिट कार्ड से होने वाले मकान या दुकान के किराए, सोसायटी शुल्क, ट्यूशन फीस, वेंडर शुल्क आदि के भुगतान के विकल्प हटाए जा सकते हैं। आरबीआई ने इन भुगतानों पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि क्रेडिट कार्ड को ग्राहक के किसी कारोबारी को व्यावसायिक भुगतान कर पाने के लिए बनाया गया। न की व्यक्तिगत तौर पर होने वाले भुगतान के लिए। पिछले कुछ सालों में क्रेडिट कार्ड से ये सब भुगतान की संख्या काफी बढ़ी है।

मालदीव में घटी भारतीय पर्यटकों की संख्या

नई दिल्ली । भारत और मालदीव के रिश्तों में आई खटास के बाद से भारतीयों की तरफ से सोशल मीडिया पर मालदीव पर्यटन का बहिष्कार शुरू कर दिया गया था। इसका असर भी अब वहां देखने को मिल रहा है। मालदीव सरकार के हालिया आंकड़ों के मुताबिक मालदीव घूमने जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है। ऐसे में अब जो रिपोर्ट सामने आई है, उसकी मानें तो 2024 की पहली तिमाही में मालदीव की यात्रा करने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है। मालदीव ने अपनी पहली तिमाही पर्यटन रिपोर्ट जारी की है, जिसमें ये खुलासा हुआ है। इन आंकड़ों के मुताबिक मालदीव में इस तिमाही में सबसे ज्यादा पर्यटक चीन से पहुंचे। जबकि भारत जो मालदीव का दूसरा पड़ोसी देश है, वहां से मालदीव जाने वालों की संख्या घटकर छठवें स्थान पर पहुंच गई। आंकड़ों के मुताबिक चीन के बाद रूस से सबसे अधिक पर्यटक मालदीव पहुंचे हैं। इसके बाद यूरोप-यूके, इटली व जर्मनी का नंबर है। आंकड़ों के अनुसार मार्च 2023 की तुलना में मार्च 2024 में भारतीय पर्यटकों की संख्या में 54 प्रतिशत की गिरावट आई है। बता दें कि जनवरी और मार्च 2023 के बीच मालदीव पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या 56,208 थी, जो इस साल जनवरी-मार्च के बीच घटकर 34,847 हो गई।

एआई पर विस्तृत अध्ययन करने संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित

नई दिल्ली । निष्पक्ष व्यापार निगरानी संस्था सीसीआई ने कृत्रिम मेधा और प्रतिस्पर्धा पर उसके प्रभाव पर एक विस्तृत बाजार अध्ययन करने के लिए संस्थाओं से सोमवार को प्रस्ताव आमंत्रित किए। अध्ययन के संचालन के लिए एक एजेंसी या संस्था को संलग्न करने के लिए प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) दस्तावेज़ जारी करते हुए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने कहा कि एआई की परिवर्तनकारी क्षमताओं में जहां एक ओर आपूर्ति व मांग बढ़ाने की क्षमता है। वहीं दूसरी ओर इसके इस्तेमाल से उत्पन्न होने वाले संभावित प्रतिस्पर्धा जोखिम चिंता का विषय हैं। प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तारीख तीन जून है। संस्थाओं द्वारा तकनीकी प्रस्तुतियों के बाद, वित्तीय बोली की अंतिम तिथि 28 जून है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता व प्रतिस्पर्धा पर प्रस्तावित बाजार अध्ययन ऐसे समय में किया जा रहा है जब उद्योगों में एआई के बढ़ते उपयोग ने बाजारों में प्रतिस्पर्धी गतिशीलता के लिए इसके निहितार्थ को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं। सीसीआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा था कि एआई व मशीन लर्निंग दक्षता तथा नवाचार को बढ़ा सकती है, लेकिन बाजार की एकाग्रता और संभावित प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार से संबंधित चिंताओं को भी जन्म दे सकती हैं। सीसीआई को प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और बाज़ार में प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं पर अंकुश लगाने का अधिकार है।

गूगल का नया स्मार्टफोन पिक्सल 8ए अगले महीने होगा लांच

नई दिल्ली ।

गूगल का नया स्मार्टफोन गूगल पिक्सल 8ए अगले महीने अपने ग्लोबल गूगल के एक इवेंट में लांच किया जा सकता है। बता दें कि पिक्सल 8ए की कीमत भी ऑनलाइन लीक हो गई है, गूगल के इस स्मार्टफोन को खरीदने के लिए थोड़ा ज़्यादा खर्च करना पड़ सकता है। इसके अलावा ये भी उम्मीद की जा रही है कि आने वाले फोन में एआई सुविधाएं मिल सकती हैं। मीडिया की एक रिपोर्ट के मुतो बिक कनाडा में पिक्सल 8ए की कीमत 128जीबी स्टोरेज कॉन्फिगरेशन के लिए सीएडी 708.99 (लगभग 42,830 रुपये) होगी, जबकि 256जीबी वेरिएंट की कीमत सीएडी 792.99 (लगभग 47,900 रुपये) होगी। बताया जा रहा है कि

पिक्सल 8ए की कीमत पिछले 7ए से 1,000 रुपये से 2000 रुपये अधिक होगी। गूगल ने मई 2023 में पिक्सल 7ए लॉन्च किया था, जिसकी कीमत 8जीबी प्लस 128जीबी रैम और स्टोरेज कॉन्फिगरेशन के लिए 43,999 रुपये रखी गई थी। पिक्सल 8ए के कंपनी के जी3 चिप से लैस होने की संभावना है। फीचर्स के तौर पर इसमें 120एचजेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.1-इंच ओएलईडी स्क्रीन से लैस हो सकता है। आने वाले पिक्सल 8ए को डुअल कैमरा सेटअप के साथ पेश किया जाएगा, जिसमें 64-मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और 13-मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड एंगल कैमरा शामिल है। ये भी कहा जाता है कि स्मार्टफोन का आकार 153.44 गु णित 72.74 गु णित 8.94एमएम है, जो कि इसके पिछले मॉडल पिक्सल 7ए की तरह है।

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में बीते वित्त वर्ष 1.45 लाख करोड़ का आया निवेश

नई दिल्ली। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड योजनाओं में बीते वित्त वर्ष 1.45 लाख करोड़ रुपए का निवेश आया। इससे पहले वित्त वर्ष 2022-23 में निकासी देखी गई थी। परिसंपत्ति में वृद्धि निवेशकों की संख्या बढ़ने के कारण हुई। मार्च, 2024 में इस खंड में निवेशकों की संख्या 1.35 करोड़ तक पहुंच गई, जो इससे एक साल पहले 1.21 करोड़ थी। इससे हाइब्रिड कोषों के प्रति निवेशकों के रुझान का पता चलता है। हाइब्रिड फंड, म्यूचुअल फंड योजनाएं हैं जो आमतौर पर इक्विटी और ऋण प्रतिभूतियों के संयोजन में और कभी-कभी सोने जैसी अन्य परिसंपत्ति श्रेणियों में निवेश करती हैं। अप्रैल में वित्त वर्ष 2023-24 की शुरुआत से ही ऋण वाले कोषों के लिए कराधान में बदलाव के बाद से यह श्रेणी नियमित निवेश को आकर्षित कर रही है। इससे पहले मार्च में इस खंड में 12,372 करोड़ रुपए की निकासी देखी गई थी। एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक हाइब्रिड श्रेणी में बीते वित्त वर्ष में 1.45 लाख करोड़ रुपए का प्रवाह देखा गया, जबकि वित्त वर्ष 202-23 में 18,813 करोड़ रुपए की निकासी हुई थी।

रूस ने पाकिस्तानी चावल में फिर से रोक लगाने की चेतावनी दी

इस्लामाबाद । रूस ने हालिया शिपमेंट में एक क्वारंटाइन ऑर्गेनिज्म की मौजूदगी का पता लगाने के बाद पाकिस्तान को उसके यहां से चावल के आयात पर फिर से प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार रूस की संघीय वेटरिनरी एंड फाइटोसैनिटरी सर्विलांस सेवा (एफएसवीपीएस) ने पाकिस्तान से आयातित चावल की एक खेप पर अंतर्राष्ट्रीय और रूसी फाइटोसैनिटरी आवश्यकताओं के उल्लंघन के संबंध में एक अधिसूचना जारी की, जिसमें मेगासेलिया स्केलारिस मक्खी पाई गई थी। इसने रूस में पाकिस्तानी दूतावास से मामले की तत्काल जांच का आदेश देने की मांग की है। साथ ही भविष्य में इस तरह के उल्लंघन दोबारा नहीं होने और कृषि वस्तुओं के व्यापार के लिए प्रासंगिक फाइटोसैनिटरी मानकों को बनाए रखने की मांग की है। पाकिस्तानी मिशन ने खाद्य सुरक्षा मंत्रालय के पादप संरक्षण विभाग (डीपीपी) और संबंधित अन्य सरकारी कार्यालयों को रूसी प्राधिकरण के पत्र का अंग्रेजी अनुवाद भेजा है, जिसमें चावल निर्यात पर किसी भी प्रतिबंध से बचने के लिए शीघ्र जांच करने और रिपोर्ट साझा करने की मांग की गई है। रूस ने पहले 2019 में इसी तरह के मामले के आधार पर प्रतिबंध लगाया था, जो लगभग दो साल तक लगा रहा और खाद्य सुरक्षा मानकों पर दोनों पक्षों के अधिकारियों के बीच बातचीत की लंबी श्रृंखला के बाद ही हटाया गया था।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को बढत के साथ बंद हुए। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 560.29 अंक करीब 0.77 फीसदी बढ़कर 73,648.62 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी तरह पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 189.40 अंक तकरीबन 0.86 फीसदी की बढ़त के साथ 22,336.40 अंक पर बंद हुआ। आज सभी सेक्टर में बढ़त रही।

आज कारोबार के के दौरान टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट , इशर मोटर्स , एलएंडटी और श्रीराम फाइनेंस निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि एनटीपीसी , एचडीएफसी बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंडसइंड बैंक और टाटा स्टील के शेयर नीचे आये।

कारोबार के दौरान बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1 फीसदी की तेजी आई। इस दौरान ऑटो, पीएसयू बैंक, कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और रियल्टी इंडेक्स में 1 से 3 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। बाकी सभी सेक्टर के इंडेक्स भी आज लाभ के साथ ही ऊपर आये। दूसरी ओर एशियाई बाजार की बात करें तो जापान का निक्केई 225 0.49 फीसदी ऊपर, जबकि टॉपिक्स 1.23 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.59 फीसदी चढ़ा।

हालांकि, अमेरिका में सूचकांक शुक्रवार को मिलेजुले कारोबार के साथ बंद हुए, एसएंडपी 500 में 0.88 प्रतिशत और नैस्डैक कंपोजिट में 2.05 फीसदी की गिरावट आई। जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.56 फीसदी की बढ़त रही। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 400 अंक बढ़कर 73,486 पर और एनएसई निफ्टी 50 126 अंक बढ़कर 22,278 पर पहुंच गया।

एप्पल भारत में पांच लाख लोगों को देगी नौकरी !

मुंबई।

आईफोन बनाने वाली अमेरिका की प्रमुख कंपनी एपल भारत में बड़े पैमाने पर कारोबार करने की तैयारी कर रही है। कंपनी अपने वेंडर्स के जरिए अगले तीन साल में भारत में पांच लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे सकती है। सरकार से जुड़े सूत्रों ने यह बात कही है। फिलहाल ऐपल के वेंडर्स और सप्लायर भारत में 1.5 लाख लोगों को रोजगार दे रहे हैं। ऐपल के लिए दो प्लांट चलाने वाली टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सबसे ज्यादा रोजगार पैदा करती है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि ऐपल भारत में नियुक्तियों में तेजी ला रही है। एक पुराने अनुमान के अनुसार कंपनी अपने वेंडर्स और कंपोनेंट सप्लायर्स के माध्यम से अगले तीन साल में पांच लाख लोगों को रोजगार देने जा रहा है। इस संबंध

में ऐपल ने कोई बयान नहीं दिया है। ऐपल की अगले चार-पांच साल में भारत में उत्पादन को पांच गुना से अधिक बढ़ाकर 40 अरब डॉलर (लगभग 3.32 लाख करोड़) करने की योजना है। मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार 2023 में ऐपल रेवेन्यू के मामले में भारतीय बाजारम में सबसे आगे रही जबकि वॉल्यूम के लिहाज से दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग ने बाजी मारी। फर्म ने अपना हालिया रिपोर्ट में कहा कि ऐपल भारत में एक करोड़ यूनिट से ज्यादा आईफोन बना चुकी है और 2023 में पहली बार उसने रेवेन्यू के मामले में पहला स्थान हासिल किया। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत से ऐपल के आईफोन का निर्यात 12.1 अरब डॉलर रहा जो 2022-23 में 6.27 अरब डॉलर रहा था। इस तरह भारत से कंपनी के निर्यात में करीब 100 फीसदी तेजी आई।

एआई पर विस्तृत अध्ययन करने संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित

नई दिल्ली ।

निष्पक्ष व्यापार निगरानी संस्था सीसीआई ने कृत्रिम मेधा और प्रतिस्पर्धा पर उसके प्रभाव पर एक विस्तृत बाजार अध्ययन करने के लिए संस्थाओं से सोमवार को प्रस्ताव आमंत्रित किए। अध्ययन के संचालन के लिए एक एजेंसी या संस्था को संलग्न करने के लिए प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) दस्तावेज़ जारी करते हुए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने कहा कि एआई की परिवर्तनकारी क्षमताओं में जहां एक ओर आपूर्ति व मांग बढ़ाने की क्षमता है। वहीं दूसरी ओर इसके इस्तेमाल से उत्पन्न होने वाले संभावित प्रतिस्पर्धा जोखिम चिंता का विषय हैं। प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तारीख तीन जून है। संस्थाओं द्वारा तकनीकी प्रस्तुतियों के बाद, वित्तीय बोली की अंतिम तिथि 28 जून है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता व प्रतिस्पर्धा पर प्रस्तावित बाजार अध्ययन ऐसे समय में किया जा रहा है जब उद्योगों में एआई के बढ़ते उपयोग ने बाजारों में प्रतिस्पर्धी गतिशीलता के लिए इसके निहितार्थ को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं। सीसीआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा था कि एआई व मशीन लर्निंग दक्षता तथा नवाचार को बढ़ा सकती है, लेकिन बाजार की एकाग्रता और संभावित प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार से संबंधित चिंताओं को भी जन्म दे सकती हैं।

ईरान-इजरायल संघर्ष से बढ़ सकती हैं तेल और एलएनजी की कीमतें

मुंबई ।

ईरान-इजराइल संघर्ष पर विश्लेषकों ने कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद किया तो कच्चे तेल और एलएनजी की कीमतें बढ़ सकती हैं। इस जलडमरूमध्य से भारत जैसे देश सऊदी अरब, इराक और यूएई से कच्चा तेल आयात करते हैं। ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष पिछले कुछ दिनों में बढ़ गया है। ईरान ने पहले इजराइल पर ड्रोन और रॉकेट हमले किए। इसके बाद इजराइल ने मिसाइल दागकर जवाबी कार्रवाई की। संघर्ष के बाद से कच्चे तेल की कीमतें 90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गईं। हालांकि तनाव कम करने के प्रयासों से संकट पर नियंत्रण होने की संभावना है लेकिन अगर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध किया तो तेल और एलएनजी की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। होर्मुज जलडमरूमध्य ओमान और ईरान के बीच लगभग 40 किलोमीटर चौड़ी एक समुद्री पट्टी है। इस मार्ग के जरिए सऊदी अरब] यूएई, कुवैत, कतर, इराक 33 लाख

बैरल प्रति दिन और ईरान 13 लाख बैरल प्रति दिन कच्चे तेल का निर्यात करते हैं। वैश्विक एलएनजी व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसके जरिए जाता है। इसमें कतर और यूएई से लगभग सभी एलएनजी निर्यात शामिल हैं।

इस तरलीकृत प्राकृतिक गैस के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं है। भारत सऊदी अरब, इराक और यूएई से तेल के साथ ही एलएनजी का आयात इसी मार्ग से करता है।

जोमैटो से अब खाना मंगाना महंगा पड़ेगा

- जोमैटो ने प्लेटफार्म फीस 25 फीसदी बढ़ाई

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से अब खाना मंगाना महंगा हो जाएगा। जोमैटो ने अपने प्लेटफॉर्म फीस 25 फीसदी बढ़ा दी है। ईटी के मुताबिक अब इस प्लेटफार्म से आर्डर देने पर आपको हर बार पांच रुपये का अतिरिक्त भुगतान करना होगा। इससे पहले यह चार रुपये प्रति ऑर्डर था। ज़ोमैटो ने पिछले साल अगस्त में ही प्लेटफार्म शुल्क लेना शुरू किया था। उस समय प्लेटफार्म फी के रूप में दो रुपये प्रति आर्डर लेना शुरू हुआ था। इसके बाद इसे बढ़ाकर तीन रुपये कर दिया था। नए साल की पूर्व संध्या पर रिकॉर्ड खाद्य ऑर्डरों से उत्साहित होकर उसने जनवरी में प्रमुख बाजारों में अपने अनिवार्य प्लेटफ़ॉर्म शुल्क को तीन रुपये प्रति ऑर्डर से बढ़ाकर चार रुपये कर दिया था। जोमैटो ने जो प्लेटफार्म फीस लगाया है, वह डिलीवरी चार्जेस के अतिरिक्त होता है। हालांकि, जोमैटो गोल्ड के मेम्बर्स को डिलीवरी शुल्क नहीं होना पड़ता है। लेकिन उन्हें प्लेटफार्म फीस तो देना ही पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि जोमैटो का ही क्विक-कॉमर्स प्लेटफार्म ब्लिंकिट भी हर आर्डर पर कम से कम 2 रुपये हैंडलिंग चार्ज के रूप में वसूलता है।

उल्लेखनीय है कि जोमैटो को पिछले हफ्ते ही 11.81 करोड़ रुपये की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) मांग और जुर्माने का आदेश मिला। इसमें जुलाई 2017-मार्च 2021 की अवधि के लिए 5.9 करोड़ रुपये की जीएसटी मांग और 5.9 करोड़ रुपये का जुर्माना शामिल है।

अब किसी भी उम्र में खरीद सकेंगे बीमा पालिसी

- अभी तक 65 साल से ऊपर था प्रतिबंध

नई दिल्ली ।

बीमा नियामक इरडा ने बाजार को व्यापक बनाने और स्वास्थ्य देखभाल खर्चों से पर्याप्त सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदने वाले व्यक्तियों के लिए 65 वर्ष की आयु सीमा हटा दी है। पहले के दिशानिर्देशों के अनुसार व्यक्तियों को केवल 65 वर्ष की आयु तक नई बीमा पॉलिसी खरीदने की अनुमति थी। हालांकि, एक अप्रैल से प्रभावी हुए हालिया संशोधन के साथ किसी भी उम्र का कोई भी व्यक्ति नई बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए पात्र है। हालिया गजट अधिसूचना में इरडा ने कहा कि बीमाकर्ता यह सुनिश्चित करेंगे कि वे सभी आयु समूहों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य बीमा उत्पादों की पेशकश करें।

बीमाकर्ता विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, बच्चों, मातृत्व और सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्दिष्ट किसी भी अन्य समूह के लिए उत्पाद डिजाइन कर सकते हैं। इसके अलावा बीमाकर्ताओं को पहले से किसी भी प्रकार की चिकित्सीय स्थिति वाले व्यक्तियों को स्वास्थ्य पॉलिसियां प्रदान करने का आदेश दिया गया है। नतीजतन, बीमाकर्ताओं को कैंसर, हृदय या गुर्दे की विफलता और एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को पॉलिसी जारी करने से मना करने से प्रतिबंधित किया गया है। अधिसूचना के अनुसार बीमाकर्ताओं को पॉलिसीधारकों की सुविधा के लिए किस्तों में प्रीमियम भुगतान की पेशकश करने की अनुमति है। यात्रा पॉलिसियां केवल सामान्य और स्वास्थ्य बीमाकर्ताओं द्वारा ही पेश की जा सकती हैं। इसमें कहा गया है कि आयुष उपचार कवरेज पर कोई सीमा नहीं है। आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी प्रणालियों के तहत उपचार को बिना किसी सीमा के बीमा राशि का कवरेज मिलेगा।

बिहार में सस्ता हुआ पेट्रोल और डीजल, यूपी में भी बदले भाव

- ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 86.60 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तेजी जारी है और जल्द ही क्रूड एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल के पार जाता दिख रहा है। इस बीच सोमवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। सोमवार को बिहार में तेल की कीमतों में कटौती दिख रही है।

यूपी सहित अन्य कई राजे यों में भी तेल के दाम बदल गए हैं। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में बदलाव नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 13 पैसे महंगा होकर 94.87 रुपये लीटर हो गया। यहां डीजल भी 14 पैसे चढ़ा और 88.00 रुपये लीटर बिक रहा है। गाजियाबाद में भी पेट्रोल 9 पैसे महंगा होकर 94.65 रुपये लीटर तो डीजल 11 पैसे चढ़कर 87.75 रुपये लीटर हो गया है। इसके अलावा बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 88 पैसे सस्े ता हुआ और 105.18 रुपये लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल 83 पैसे गिरावट के साथ 92.04 रुपये लीटर बिक रहा है। इधर वै श्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में भी उछाल दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 86.60 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। डब्े ले यूटीआई भी चढ़कर 82.92 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.87 रुपये और डीजल 88.00 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

आईपीएल 2024 में सीएसके और सुपर जाइंट्स में होगी कड़ी टक्कर

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आईपीएल 2024 में मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इससे पहले हुए मुकाबले में सीएसके को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही पिछली हार का हिसाब बराबर करना रहेगा। सीएके इस मैच को जीतकर अंकतालिका में भी ऊपर आना चाहेगी। पिछली बार दोनों टीमों का मुकाबला लखनऊ में हुआ था जिसमें सुपर जाइंट्स जीती थी। अभी दोनो ही टीमों के सात मैचों के बाद आठ अंक हैं।

सुपर जाइंट्स के लिए इस मैच में सीएसके को हराना आसान नहीं रहेगा क्योंकि उसके पास एक से बड़कर एक खिलाड़ी हैं और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भी जबरदस्त लय में हैं। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतकर प्लेआफ के लिए अपनी दावेदार बनाने पर रहेंगी। सीएसके की कमजोरी उसके मध्यक्रम के बल्लेबाजों का लय में नहीं होना है। अभी तक टीम की ओर से कप्तान रूतुराज गायकवाड़ और शिवम दुबे के प्रदर्शन में ही निरंतरता दिखी है। लखनऊ के खिलाफ पिछले मैच में इन दोनो के विफल रहने के बाद मध्यक्रम दबाव में टूट गया था जिससे मैच में उसके हाथ से जीत निकल गयी। उसके सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र भी अब तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं।

सीएसके ने लखनऊ के खिलाफ पिछले मैच में अजिंक्य रहाणे को पारी की शुरुआत करने भेजा था। वहीं रूतुराज तीसरे नंबर पर आये थे। अब इस मैच में देखना होगा कि वह किस नंबर पर उतरते हैं। ऑलाराउंडर रविंद्र जडेजा और धोनी के अच्छे फार्म में होने का भी टीम को लाभ मिलेगा। सीएसके इस मैच में शीर्ष क्रम से बड़े स्कोर की उम्मीद कर रही है।

गेंदबाजी की बात करें तो सीएसके के पास मथीषा पथिराना जैसा गेंदबाज है। पथिराना ने अबतक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि तेज गेंदबाज दीपक चाहर, तुषार देशपांडे और मुस्ताफिजूर रहमान से टीम को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। इसके अलावा जडेजा भी

एक अच्छे स्पिनर हैं। दूसरी ओर सुपर जाइंट्स की बल्लेबाजी की जिम्मेदार कप्तान केएल राहुल और क्वींटन डिकॉक पर रहेगी। निकोलस पूरन ने भी अब तक अच्छा खेला है। टीम के तेज गेंदबाज मयंक यादव अगर फिट हुए तो इस मैच से वापसी कर सकते हैं। वह चोटिल होने के कारण पिछले कुछ मैचों से बाहर हैं।

वहीं तेज गेंदबाज मोहसिन खान और यश ठाकुर को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। नये खिलाड़ी मैट हेनरी भी इस मैच में बेहतर कर टीम में जगह बनाना चाहेंगे। स्पिन गेंदबाजी की कमान रवि बिश्नोई और कृणाल पंड्या संभालेंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। सीएसके के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अंतिम ओवरों में बेहद आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं और उन्हें रोकना सुपर जाइंट्स के गेंदबाजाजों के लिए बेहद कठिन होगा। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। वहीं अगर सुपर जाइंट्स के मयंक वापसी करते हैं तो उनकी रफ्तार का सामना सीएसके के बल्लेबाज किस प्रकार करेंगे ये देखना होगा।

टीम

लखनऊ सुपर जाइंट्स- केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन उल हक, क्रुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के गौतम, शिवम मावी, अर्शिन कुलकर्णी, एम सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान।

चेन्नई सुपरकिंग्स- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, अरावेली अवनीश, डेवोन कॉनवे, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू, दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्तफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महेश तीक्षणा और समीर रिज्वी।

17 साल के भारत के गुकेश बने फीडे कैंडिडेट्स शतरंज विजेता , बनाया विश्व रिकॉर्ड

टोरंटो,कनाडा (एजेंसी)। फीडे कैंडिडैट शतरंज के अंतिम राउंड में भारत के 17 वर्षीय ग्रांड मास्टर डी गुकेश नें आखिरकार इतिहास में सबसे कम उम्र में यह खिताब जीतकर नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया है । गुकेश अब दुनिया के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर बन गए है । गुकेश नें अंतिम राउंड में आधा अंक की बढ़त के साथ शुरुआत की और उनके सामने थे विश्व के नंबर 3 खिलाड़ी यूएसए के हिकारु नाकामुरा , काले मोहरो से खेल रहे गुकेश को कम से कम टाईब्रेक में बने रहने के लिए मैच को ड्रॉ पर रोकने की जरूरत थी , क्यूजीए ओपनिंग में गुकेश नें नाकामुरा को खेल में कभी भी बढ़त नहीं बनाने दी और शानदार एंडगेम दिखाते हुए 71 चालों तक चली बाजी को ड्रॉ करा लिया ।

अब गेंद यूएसए क फबियानों करूआना के पाले में थी जो रूस के यान नेपोमनिशी के खिलाफ बेहतर स्थिति में थे और जीतकर गुकेश को टाईब्रेक में चुनौती दे सकते थे पर वह ऐसा करने में असफल रहे और उनका मैच 109 चालों तक चलने के बाद बेनतीजा रहा और इस तरह गुकेश 9 अंको के साथ कैंडिडैट विजेता बन गए जबकि 8.5 अंको पर टाईब्रेक के आधार पर नाकामुरा दूसरे ,नेपोमनिशी तीसरे और करूआना चौंथे स्थान अपर रहे , अंतिम राउंड जीतकर 7 अंको के साथ भारत के प्रज्ञानन्दा पांचवे , 6 अंको के साथ विदित छठे , 5 अंको के साथ अलीरेजा सातवे और 3.5 अंको के साथ अबासोव आखिरी स्थान पर रहे ।अब गुकेश इस साल के अंत में या अगले वर्ष के शुरुआत में मौजूदा विश्व चैम्पियन चीन के डिंग लीरेन को विश्व खिताब के लिए चुनौती देंगे , और अगर गुकेश विश्व चैम्पियन बने तो वह 22 साल में विश्व चैम्पियन बनने के रूस के गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ देंगे ।

उथप्पा बोले मानसिक रुप से निराश हैं पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी) । पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या मानसिक रुप से परेशान होने के कारण आईपीएल सत्र में अबतक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। पांड्या को इस सत्र में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी दी गयी थी पर वह गेंद और बल्ले के अलावा कप्तानी कौशल में भी सफल नहीं हुए हैं। उथप्पा के अनुसार रोहित शर्मा की जगह टीम की कप्तानी संभालने के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों की हूटिंग का शिकार हुए हैं जिससे उनका मानसिक स्वास्थ्य खराब हुआ है। उन्हें प्रशंसकों की ओर से लगातार नकारात्मकता मिल रही है। पहले 7 मैचों में मुंबई ने नए कप्तान हार्दिक के नेतृत्व में केवल तीन जीत हासिल की हैं।

हार्दिक का बचाव करते हुए उथप्पा ने कहा कि प्रशंसकों का उनके प्रति व्यवहार सही नहीं है। उथप्पा ने कहा, वह एक ऐसा व्यक्ति है जिसमें भारतीय टीम के लिए सर्वकालिक महान बनने की क्षमता है। जिस टीम ने उसे खोजा था, उसने उसे जाने दिया, वह दूसरी फेंचाइजी में चला गया। उनके साथ 3-4 खिताब जीतने के बाद वह चला गया। उसे थोड़ा बुरा लगा होगा, वह गुजरात टाइटंस में गया, एक खिताब जीता और दूसरे में उपविजेता रहा।

टी20 वर्ल्ड कप 2024: सौरव गांगुली का विराट-रोहित को लेकर बयान, कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल का 17वां सीजन जारी है। जबकि इसका आखिरी मुकाबला 26 मई को खेला जाना है। जिसके बाद टी20 वर्ल्ड कप का आगाज होगा। वहीं कुछ दिन में ही टी20 वर्ल्ड कप को लेकर भारत के स्क्वॉड का ऐलान होगा। दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस मैच के लिए रोहित दिल्ली में होंगे, तब चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर भी यहां होंगे और स्क्वॉड ऐलान से पहले सभी मीटिंग में शामिल होंगे। भारती के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने वर्ल्ड कप को लेकर विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बड़ी बात कही।

रोहित शर्मा टी20 वर्ल्ड कप में भारत के कप्तान होंगे, इसकी पुष्टि जय शाह पहले ही कर चुके हैं। विराट कोहली का भी स्क्वॉड में होना कन्फर्म है। आईपीएल खेल रहे विराट कोहली आरसीबी के लिए पारी की शुरुआत कर रहे हैं और अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। सौरव गांगुली की माने तो विराट और रोहित शर्मा को आगामी टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए पारी की शुरुआत करनी चाहिए। पीटीआई से बातचीत में भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि, विराट कोहली और रोहित शर्मा को भारत के लिए इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में पारी की शुरुआत करना चाहिए। विराट कोहली 40 बॉल पर 100 रन भी बना सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में विराट कोहली सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर हैं। दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। विराट कोहली ने 117 मैचों में 4039 रन बनाए हैं। उनका इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा स्कोर नाबाद 122 का है। रोहित शर्मा ने 151 मैचों में 3974 रन बनाए हैं। रोहित का इस फॉर्मेट में नाबाद 121 सर्वाधिक स्कोर है।

पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में नावों पर परेड करेंगे प्रतिनिधि

पेरिस ।आमागी पेरिस ओलंपिक के लिए सीन नदी पर भव्य उद्घाटन समारोह होगा। चार घंटे तक चलने वाले इस समारोह में सूर्यास्त और चंद्रमा की झलक लिखेगी। इस दौरान कुल 205 देशों और क्षेत्रों के प्रतिनिधि सीन नदी पर नावों पर परेड करेंगे। यह समारोह धीरे-धीरे पूर्व से पश्चिम की ओर, पुल से पुल तक, पोंट डी ऑस्टरलिट्ज़ से पोंट डी आइना तक छह किलोमीटर की दूरी तय करेगा।

विराट पर 50 फीसदी जुर्माना लगा

कोलकाता । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अंपायर से बहस करना भारी पड़ा है। विराट के ऊपर अचार संहिता उल्लंघन को लेकर 50 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसका कारण है कि विराट ने कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ हुए मैच में अंपायर के फैसले पर सवाल उठाये थे। विराट को इस मैच में तीसरे ओवर में ही हर्षित राणा की एक फुल टॉस गेंद पर आउट करार दिया गया जबकि विराट का मानना था कि कमर से अधिक ऊंची होने के कारण वह नो बॉल थी। इससे वह अंपायर पर भड़क गये। इस दौरान डीआरएस भी लिया गया। थर्ड अंपायर माइकल गॉफ ने रिप्ले देखने के बाद फैसला दिया कि वह आउट हैं। इसका कारण था कि कि विराट पहले ही क्रीज से बाहर खड़े थे तो ऐसे में गेंद उनके कमर के नीचे हिस्से पर लगती। बॉल-ट्रैकिंग में भी गेंद नीचे जाती दिख रही थी। जैसे ही तीसरे अंपायर का फैसला आया, कोहली निराश हो गए। वह पवेलियन की ओर लौटते हुए गुस्से में दिख रहे थे। इसी बीच वह मैदानी अंपायर के पास गए और फैसले पर नाराजगी जतायी। कोहली के इस व्यवहार को बीसीसीआई ने आचार संहिता उल्लंधन माना है। इसी कारण उनपर जुर्माना लगा गया।

नरेन को आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं गंभीर

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कोच गौतम गंभीर ने सुनील नरेन की जमकर प्रशंसा की है। गंभीर ने कहा कि नरेन को वह आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं। गंभीर के अनुसार साल 2011 में नरेन को भारत के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में खेलने देखकर उन्हें पता चल गया था कि ये खिलाड़ी टी20 क्रिकेट में महान बनेगा। गंभीर ने कहा कि साल 2011 में नारायण को पदार्पण श्रृंखला में खेलते हुए देखने के बाद ही उन्होंने इस खिलाड़ी को आईपीएल के लिए शामिल करने का फैसला किया था. गंभीर ने कहा, 'मैंने तब नरेन की सात या आठ गेंदों का ही सामना किया था और तभी मुझे लगा कि यह का महान क्रिकेटर बनेगा। नरेन ने अपने आईपीएल करियर में 170 विकेट लिए हैं और लीग में 168 मैच में एक शतक सहित 1322 रन भी बनाए हैं. नरेन ने दिसंबर 2011 में अहमदाबाद में तीसरे एकदिवसीय में भारत के खिलाफ वनडे पदार्पण किया था जिसमें उन्होंने विराट कोहली और आर अश्विन को आउट कर 34 रन देकर दो विकेट लिए थे। गंभीर ने चौथे एकदिवसीय में पहली बार नरेन की गेंदों का सामना किया था। नरेन हालांकि छह ओवर में 46 रन देकर कोई विकेट नहीं ले पाये थे। वहीं साल 2012 में नरेन केकेआर के रहस्यमयी गेंदबाज के तौर पर सामने आए और 24 विकेट लेकर मोर्नी मोर्कल के 25 विकेट के बाद दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने थे। इससे केकेआर की टीम 2012 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने में सफल रही। केकेआर ने दूसरी बार जब 2014 में खिताब जीता तब भी नरेन ने 21 विकेट लिए थे। इसके साथ ही वह बल्लेबाजी से भी टीम का सहयोग करते रहे हैं।

चैपमैन के तेज अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने तीसरे टी20 में पाक को हराया

रावलपिंडी (एजेंसी) । मार्क चैपमैन के तेज अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने यहां खेले गये तीसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले खेलते हुए पाकिस्तान ने सैम आयुब के 32, कप्तान बाबर आजम के 37, रिजवान के 22, इरफान खान के 30 और शादाब खान के 41 रनों से कुल 178 रन बनाए थे। इसके बाद कीवी टीम ने ये लक्ष्य तीन विकेट खोकर ही हासिल कर लिया। उसे टिम रोबिन्सन और टिम सेफर्ट ने अच्छी शुरूआत दी। इसके बाद मार्क चैपमैन ने 42 गेंदों पर ही 87 रन बनाकर 19वें ओवर में ही टीम को जीत दिला दी। इसी के साथ पांच मैचों की सीरीज में दोनों ही टीमें 1-1 से बराबरी पर आ गई है। सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया थ जबकि दूसरा पाक ने जीता था।

जीत के बाद न्यूजीलैंड के चैपमैन ने खुशी जताते हुए कहा कि सीरीज बराबर आने से उन्हें खुशी हुई है। पाकिस्तान के पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है इससे लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं था। हमारे लिए 100 से अधिक रनों की साझेदारी करना लाभप्रद रहा। हम जानते हैं कि पाकिस्तान की डेथ ओवरों में गेंदबाज शानदार है इसके बाद भी हमारे बल्लेबाज सफल हुए।

दूसरे ओर हार से निराश पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि बदकिस्मती से हम 10 रन कम रह गए। मुझे लगता है कि शादाब ने अच्छी रिकवरी की और अच्छी साझेदारी बनाई। मुझे लगता है कि 180-190 स्कोर होना चाहिये था। हमने हालातों के अनुसार खेलने का प्रयास किया था। शादाब ने योजना के अनुसार अपना स्वाभाविक खेल खेला। साथ ही कहा कि हमारा क्षेत्ररक्षण खराब रहा जिससे भी हमारे हाथ से मुकाबला निकल गया।

भारत के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला पर पीसीबी प्रमुख ने कहा, अभी हमारा लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अगर भारत अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजेगा तो पीसीबी उसके साथ द्विपक्षीय श्रृंखला खेलने के तैयार है। लाहौर में एक कार्यक्रम में पत्रकारों से बात करते हुए नकवी से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के हालिया साक्षात्कार के बारे में पूछा गया जिसमें उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की प्रशंसा की और कहा कि दोनों पड़ोसी देशों का विदेश में टेस्ट श्रृंखला खेलना 'शानदार' होगा। नकवी ने कहा, ''देखिए, अगर इस संबंध में कोई विकल्प आता है तो हम उस पर विचार करेंगे लेकिन अभी हमारा लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करना है और पहले भारत को टूर्नामेंट के लिए आने देना है।'' उन्होंने कहा, ''फिलहाल चैंपियन्स ट्रॉफी तक कोई समय उपलब्ध नहीं है क्योंकि हमारी टीम का यात्रा कार्यक्रम तय हो चुका है। एक बार वे पहले यहां आ जाएं तो जब भी कोई प्रस्ताव हमारे सामने आएगा, हम उस पर विचार कर सकते हैं।'' दोनों टीमों ने पिछली बार 2012-13 में सीमित ओवरों की द्विपक्षीय श्रृंखला खेली थी जब पाकिस्तान ने भारत का दौरा किया था लेकिन भारत ने 2007 के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी टेस्ट खेलने से इनकार कर दिया है जब दोनों टीम भारतीय सरजमीं पर आपस में भिड़ी थीं। पिछले साल भारत ने पाकिस्तान में एशिया कप मैचों के लिए अपनी टीम भेजने से इनकार कर दिया था और अंतत: एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) को इस प्रतियोगिता के लिए एक हाइब्रिड मॉडल अपनाना पड़ा था जिसके तहत अधिकांश मैचों का आयोजन श्रीलंका में होना था। नकवी ने फरवरी में दुबई में आईसीसी बैठक के दौरान भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह से मुलाकात की थी।

बर्लिन में आखिरी बार लीवर कप में खेलेंगे रफेल नडाल

महान टेनिस खिलाडी रफेल नडाल ने सोमवार को कहा कि वह सितंबर में बर्लिन में लीवर कप में खेलेंगे जो 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन के आखिरी टूर्नामेंटों में से एक हो सकता है। नडाल ने संकेत दिया है कि 2024 एटीपी टूर पर उनका आखिरी साल हो सकता है। उन्होंने पिछले हफ्ते बार्सीलोना ओपन में एलेक्स डि मिनोर के खिलाफ दूसरे दौर में हार के बाद कहा था कि यह शायद यहां उनका आखिरी मैच था। नडाल ने बार्सीलोना में 12 बार खिताब जता। नडाल ने बयान में कहा, ''अपने करियर के इस चरण में मैं वास्तव में वहां जाना चाहता हूं और मुझे दिए गए हर अवसर का अधिकतम लाभ उठाना चाहता हूं।'' स्पेन का यह 37 वर्षीय सुपरस्टार लंबे समय से चोटों से जूझ रहा है और उन्होंने इस साल सिर्फ पांच प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं, तीन जनवरी में ब्रिसबेन में और दो पिछले हफ्ते बार्सीलोना में। इस साल 20-22 सितंबर तक आयोजित होने वाला लीवर कप एक इनडोर हार्डकोर्ट पुरुष प्रतियोगिता है जो गोल्फ के राइडर कप के समान प्रारूप में विश्व टीम और यरोप टीम के बीच खेली जाती है। रोजर फेडरर के संन्यास से पहले नडाल और स्विट्जरलैंड के इस महान खिलाड़ी ने अपने आखिरी मैच के लिए लंदन में 2022 में लीवर लेवर कप में युगल जोड़ी बनाई थी। नडाल ने कहा, ''मैं टीम यूरोप के लिए बर्लिन में लीवर कप खेलने को लेकर बहुत खुश हूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे पास लीवर कप के अनुभवों की कुछ विशेष यादें हैं जिनमें दो साल पहले आखिरी बार रोजर के साथ लंदन में खेलना भी शामिल है।

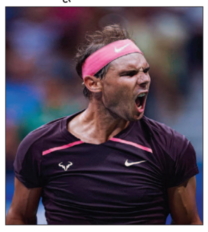

एमएलएस लीग में मियामी ने नाशविले को हराया, मेसी ने किये दो गोल

न्यूजर्सी । स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के दो गोलों और सर्गियो बुस्कुवेट्स के एक गोल की सहायता से इंटर मियामी ने अमेरिका में जारी मेजर लीग फुटबाल (एमएलएस) में नाशविले एससी को 3-1 से हरा दिया। इससे पहले मेसी ने ओरलेंडो के खिलाफ मैच के दौरान भी दो गोल किये थे। अब मेसी के इस लीग में कुल मिलाकर सात गोल हो गये हैं। इस मैच में मियामी के डिफेंडर फ्रैंको नेरी के दूसरे मिनट में ही गलती से एक गेंद अपने ही गोल पोस्ट में मार दी। इस आत्मघाती गोल से नाशविले की टीम को शुरुआत में ही बढ़त मिल गयी पर मेसी ने लुईस सुआरेज के पास पर एक गोली कर अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद 39वें मिनट में बुस्कुवेट्स ने एक गोल दागते हुए अपनी टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी। मेसी ने इसके बाद 81वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर अपनी टीम को 3-0 से आगे कर दिया।

अभिषेक ने अपनी आंक्रामक बल्लेबाजी का राज बताया

मुम्बई (एजेंसी) । नई दिल्ली (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। अभिषेक ने पारी की शुरुआत करते हुए कई आक्रामक पारियां खेली हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इस बल्लेबाज ने 12 गेंद में ही 46 रन बना दिये थे।अब अभिषेक ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के पीछे छिपा राज बताया है। अभिषेक ने कहा कि आईपीएल में प्रतिद्वंद्वी टीम के मुख्य गेंदबाजों को ध्यान में रखकर तैयारी करने से उन्हें लाभ हुआ है। अभिषेक ने ट्रेविस हेड के साथ केवल 38 गेंद में 131 रन की साझेदारी की थी। उन्होंने पावरप्ले में 125 रन बनाने का रिकॉर्ड भी इसी सत्र में अपने नाम किया है। उन्होंने इस सत्र में कुलदीप यादव को भी नहीं छोड़ा। उन्होंने चार छक्के कुलदीप की गेंद पर लगाये हैं। इसी को लेकर अभिषेक ने कहा कि कुलदीप की गेंदबाजी का वीडियो देखने का उन्हें लाभ हुआ। अभिषेक ने कहा, '' मैं स्पिनरों और विरोधी टीम के मुख्य गेंदबाजों के अनुसार तैयारी करता हूं। इस साल भी मैंने कुलदीप के खिलाफ खेलने की तैयारी की थी क्योंकि वे उनके मुख्य गेंदबाज है। मैं उनका वीडियो देखता हूं। मैं अभ्यास सत्र में विरोधी टीम के गेंदबाजों की तरह गेंद डालने वाले किसी गेंदबाज के खिलाफ अभ्यास भी करता हूं। इससे भी मुझे लाभ मिलता है।''

अपनी पारी में छह छक्के लगाने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि उनकी मौजूदा लय कड़ी मेहनत से आई है। उन्होंने कहा, ''आईपीएल से पहले मैंने कड़ी मेहनत की थी। सैयद मुश्ताक ट्रॉफी (घरेलू टी20 टूर्नामेंट) में भी मैंने काफी मेहनत की थी इससे मुझे काफी लाभ हो रहा है।'' अभिषेक ने कहा कि वह काफी समय से हेड के प्रशंसक रहे है और उनके साथ बल्लेबाजी करने का अनुभव शानदार रहता है। साथ ही कहा कि वह ऐसे खिलाड़ी है जिसका मैं अनुसरण करना चाहता हूं। मैं तीनों प्रारूप में हेड की बल्लेबाजी का प्रशंस हूं। उनके हमारी टीम में होने से भी मुझे लाभ मिला है। साथ ही कहा कि जब भी मुझे गेंदबाजी का मौका मिलेगा मुझे उसके लिए तैयार रहना चाहिये।''

आईपीएल 2024 : केकेआर दूसरे और गुजरात छठे स्थान पर पहुंची

मुम्बई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल सत्र में जीत के साथ ही अंक तालिका में अब दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत के साथ ही गुजरात टाइटंस भी 8वें से छठे स्थान पर पहुंच गयी है। नंबर एक स्थान पर अभी भी 12 अंकों के साथ ही राजस्थान रॉयल्स बकररार है। केकेआर 7 मैचों में 5 जीत के बाद 10 अंकों लेकर दूसरे स्थान पर आ गयी है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और लखनऊ सुपर जाइंट्स 8-8 अंकों के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर फिसल गयी है। गुजरात टाइटंस छह अंकों के साथ ही छठे नंबर पर जबकि मुंबई 6 अंकों के साथ 7वें तथा दिल्ली इतने ही अंकों के साथ 8वें स्थान पर आ गई है। पंजाब किंग्स 4 अंकों के साथ 9वें स्थान पर और आरसीबी 2 अंक लेकर अंतिम स्थान पर खिसक गयी है।

लोकसभा चुनाव : गुजरात में 26 लोकसभा सीटों पर 658 नामांकन पत्र भरे गए

गांधीनगर।

लोकसभा चुनाव में गुजरात की 26 सीटों के लिए 19 अप्रैल को नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन तक कुल 658 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं। इसके साथ ही पांच विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए 58 फार्म जमा हुए।

12 अप्रैल को चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद राज्य में फार्म जमा होने शुरू हुए थे। 20 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 22 अप्रैल तक नाम वापस लिए जाएंगे। गुजरात में तीसरे चरण में 7 मई को राज्य में लोकसभा की सभी सीटों पर एक साथ मतदान किया जाएगा। इसी दिन 5 विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव के लिए मतदान होगा।

गुजरात में सबसे अधिक नामांकन पत्र गांधीनगर लोकसभा सीट के लिए कुल 53 फार्म भरे गए। हालांकि नामांकन पत्रों की जांच और बाद में नाम वापसी होने पर सही तस्वीर सामने आएगी। राजकोट लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार केन्द्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला ने फार्म भरे हैं। इस सीट पर क्षत्रिय समाज ने भाजपा से रूपाला की उम्मीदवार वापस लेने की मांग की थी। इसके विरोध में क्षत्रिय समाज ने बड़ी संख्या में क्षत्रिय उम्मीदवार लड़ाने की बात कही थी, हालांकि इसका असर नहीं रहा और राजकोट से 28 लोगों ने नामांकन पत्र भरे। इसके अलावा आणंद में 18 लोगों ने नामांकन पत्र भरे हैं। वहीं, बनासकांठा में 24, बारडोली में 9, भरूच में 26, भावनगर में 30, छोटा उदेपुर में 18, दाहोद में 23, जामनगर में 32, जूनागढ़ में 26, कच्छ में 16, खेडा में 25, मेहसाणा में 17, नवसारी में 35, पंचमहाल में 19, पोरबंदर में 24, साबरकांठा में 29, सूरत में 24, वडोदरा में 34 और वलसाड में 16 लोगों ने नामांकन पत्र भरे हैं।

विधानसभा के उपचुनाव में विजापुर से 15 नामांकन

राज्य में लोकसभा की 26 सीटों के साथ राज्य की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की प्रक्रिया भी लोकसभा चुनाव के साथ-साथ हो रही है। इसके तहत खंभात से 10, माणावदर से 9, पोरबंदर से 11, वाघोडिया से 13 और विजापुर से 15 नामांकन पत्र दाखिल हुए हैं। कांग्रेस विधायकों के इस्तीफा देने से खंभात, पोरबंदर, माणावदर, विजापुर सीट खाली हुई, जबकि वाघोडिया के निर्दलीय विधायक ने इस्तीफा दिया था। यह सभी भाजपा में शामिल होकर इस बार भाजपा के टिकट पर उम्मीदवार बने हैं।

सूरत से मिली भाजपा को पहली सीट, मुकेश दलाल निर्विरोध विजयी

सूरत। लोकसभा चुनाव-2024 में भाजपा को पहली सीट सूरत से मिली है। सूरत लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल ने निर्विरोध जीत कर इतिहास रच दिया है। नाम वापस लेने के अंतिम दिन कुल 9 मान्य नामांकन में से 8 ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। इससे पहले रविवार को कांग्रेस उम्मीदवार निलेश कुंभाणी और सुरेश पडसाला के नामांकन रद्द कर दिए गए थे।

देश में 1951 से लेकर वर्ष 2019 में तक हुए 17 बार लोकसभा चुनाव में पहली बार कोई उम्मीदवार निर्विरोध विजयी घोषित किया गया है। इस तरह भाजपा को वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में पहली सीट सूरत से मिली है। सूरत लोकसभा सीट के लिए भाजपा के मुकेश दलाल समेत 9 लोगों के नामांकन मान्य घोषित किए गए थे।

नाम वापस लेने के अंतिम दिन सोमवार को मुकेश दलाल को छोड़कर बाकी के सभी 8 उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए। शाम तक चुनाव अधिकारी की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा की जाएगी। सोमवार सुबह सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्टी के अब्दुल हमीद खान, ग्लोबल रिपब्लिकन पार्टी के जेयेश मेवाडा, लोग पार्टी के सोहेल शेख, निर्दलीय अजीत उमट, निर्दलीय किशोर डायाणी, निर्दलीय रमेश भाई बारैया और निर्दलीय भरतभाई प्रजापति ने अपने नाम वापस ले लिए। हालांकि बहुजन समाज पार्टी के प्यारेलाल भारती ने सबसे अंत में अपना नाम वापस लिया। इससे पूर्व उनकी पार्टी की ओर से पुलिस आयुक्त को पत्र लिख कर सुरक्षा की मांग की गई थी। उनका आरोप था कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार को अनजान नंबरों से फोन कर धमकी दी जा रही है। हालांकि बाद में उन्होंने भी अपना नाम वापस ले लिया।

निराली अस्पताल में गुजरात के पहले रोबोटिक हिप और नी रिप्लेसमेंट सेंटर की शुरुआत

नवसारी, स्थित निराली मेमोरियल मेडिकल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष, दानवीर और पद्म विभूषण से सम्मानित श्री एएम नाइक ने ऑर्थोपेडिक देखभाल में एक मील का पत्थर साबित करते हुए गुजरात में पहले रोबोटिक एंड नी रिप्लेसमेंट सेंटर का उद्घाटन किया। अत्याधुनिक सेकंड जनरेशन की ष्ठह्रञ्ज सिस्टम सहित अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित, निराली अस्पताल का लक्ष्य संयुक्त प्रति-स्थापन प्रक्रियाओं में क्रांति लाना और रोगी के परिणामों में सुधार करना है।

निराली अस्पताल की 500 बिस्तरों वाली विशाल सुविधा के भीतर स्थित यह रोबोटिक जॉइंट हिप और नी (घुटना) रिप्लेसमेंट सेंटर ऑर्थोपेडिक्स के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है। यह ष्ठह्रञ्ज सिस्टम पर केंद्रित,ढ्ढ का चमत्कार है जो इसे पारंपरिक रोबोटिक प्लेटफार्मों से अलग करता है। पिछले मॉडलों के विपरीत, ष्ठह्रञ्ज सिटी स्कैन या एमआरआई की आवश्यकता को समाप्त कर देता है, सर्जरी को सुव्यवस्थित करने के लिए इमेजलेस तकनीक लागू करता है, और सटीकता को एक अभूतपूर्व स्तर पर ले जाता है।

इस अवसर पर श्री एएम नाइक ने कहा कि, "हम अपने विश्वास के माध्यम से जरूरतमंदों की मदद करने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित हैं। इस मिशन के प्रति प्रतिबद्ध होकर, हम यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करते हैं कि हमारे ट्रस्ट समाज की सर्वोत्तम सेवा करें।"

"हमारे ट्रस्टों निराली मेमोरियल मेडिकल ट्रस्ट और नाइक चैरिटेबल ट्रस्ट के तहत अस्पतालों, स्कूलों और कौशल केंद्रों ने 2009 से आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा के प्रति हमारी अद्वितीय प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। निराली अस्पताल आज स्वास्थ्य सेवा नवाचार (इनोवेशन) के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है जो आर्थोपेडिक में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है।श्री नाइक ने कहा कि, "रोबोटिक जॉइंट हिप और नी रिप्लेसमेंट सेंटर के लॉन्च के साथ, हम अपने समुदाय को असाधारण देखभाल और अपेक्षाओं से अधिक परिणाम प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।"

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्ण विकसित भारत की कल्पना को 130 करोड़ जनता का संकल्प बनाया: शाह

गांधीनगर।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गांधीनगर लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, राज्यसभा सांसद मयंक नायक और गांधीनगर लोकसभा इंचार्ज केसी पटेल उपस्थित रहे। गांधीनगर में 7 मई को मतदान होगा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह गांधीनगर से ही वर्तमान सांसद हैं जिन्हें पिछले लोकसभा चुनाव में इस सीट पर 8 लाख 90 हजार से अधिक वोट मिले थे।

शाह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनके लिए गौरव का विषय है कि जिस सीट का प्रतिनिधित्व अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी ने किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस सीट से स्वयं मतदाता हैं, उस सीट का प्रतिनिधित्व करने का अवसर उन्हें पार्टी ने दिया। उन्होंने कहा कि ब्मैं इसी सीट से 30 साल से विधायक और सांसद रहा हूं। यहीं से मैंने छोटे से बूथ कार्यकर्ता से संसद तक की यात्रा तय की है। इस क्षेत्र की जनता ने मुझे अपार प्रेम दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पहले मुख्यमंत्री के नाते और बाद में प्रधानमंत्री के नाते इस क्षेत्र में भाजपा की सरकारों ने जनकल्याण एवं विकास के ढेर सारे कार्य किए। सिर्फ इन 5 वर्षों के भीतर ही 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में हुए हैं। मुझे यह संतोष है कि मैं जब भी इस क्षेत्र की जनता से पार्टी व मेरे स्वयं के लिए वोट मांगने आया हूं, तो मुझे बहुत मन से आशीर्वाद दिया है और मजबूत बहुमत के साथ चुनाव जिताया है।ज्

शाह ने कहा कि इस बार का चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को सुरक्षित, समृद्ध किया है और देश के 80 करोड़ से ज्यादा गरीबों के जीवन में नई आशा को पुनर्जीवित करने का कार्य किया है। इस चुनाव में पूरा देश 400 पार के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए उत्साहित है। चुनाव की घोषणा के पहले और बाद में लद्दाख छोड़ कर देश के हर कोने में गया हूं, हर जगह मोदी-मोदी के नारों के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं का स्वागत होता है। जनसैलाब का जो अभूतपूर्व आशीर्वाद और प्रेम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्राप्त हुआ है, हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह बड़ी उपलब्धि है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने समग्र विश्व में न केवल गौरव प्राप्त किया है, बल्कि अपना मजबूत स्थान भी बनाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 में पूर्ण विकसित और दुनिया में हर क्षेत्र में सर्वप्रथम भारत की कल्पना को 130 करोड़ जनता का संकल्प बनाने में सफलता प्राप्त की है और यदि इस मुकाम पर देश को पहुंचाना है, तो ये 5 वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जो बीते 10 वर्ष देश की जनता ने भाजपा सरकार को दिए हैं वो पूर्व की यूपीए सरकार के गड्ढे भरने में गए हैं। आने वाले 5 वर्ष विकसित भारत बनाने की नींव तैयार करने वाले वर्ष होने वाले हैं।

ऐतिहासिक जैन दीक्षा का महामहोत्सव 35 मुमुक्षुओं ने सांसारिक भेष त्याग भगवान श्री महावीर का वेश धारण किया

अहमदाबाद शहर के पांच सौ साल के इतिहास में पहली बारएक ही मंडप के नीचे, 35 जैन दीक्षाओं का उत्सव महानायक परम पूज्य आचार्यश्री विजय योगतिलकसूरीश्वरजी महाराज के पवित्र हाथों से आयोजित किया गया था। साबरमती नदी के तट पर लगभग तीन लाख वर्ग फीट क्षेत्र में बनी भव्य अध्यात्म नगरी में सुबह साढ़े पांच बजे जब दीक्षा समारोह शुरू हुआ तो 30,000 की क्षमता वाला मुख्य मंडप खचाखच भर गया था। 15 आचार्य भगवंतों के साथ ही करीब 400 जैन साधु-साध्वीजीयों की छत्रछाया में 35 मुमुक्षुओं को साधुजीवन के प्रतीक स्वरूप ओघो अर्पण करने की विधि सुबह 7.35 बजे शुरू हुई। 25 मिनट में पूज्य आचार्य भगवंत ने 35 मुमुक्षुओं को ओघो अर्पित किया, जिनमें 15 भाई और 20 बहनें थीं। दीक्षार्थीयों के हाथों में ओघो प्राप्त करने के बाद, उन्होंने परमात्मा को नमस्कार किया और तीन प्रदक्षिणा देते समय अपनी खुशी व्यक्त की।

ओघो अर्पित करने के बाद, मुमुक्षु अपने जीवन के अंतिम स्नान के लिए गए और साधु और साध्वीजीओ की वेशभूषा धारण की। जैसे ही वह संसारी भेष उतारकर और साधुजीवन के सफेद वस्त्र पहनकर मंच पर आए, शुभ मुहूर्त में लोच की विधि की गयी।35 मुमुक्षुओं के सांसारिक नाम रद्द कर दिए गए और साधुजीवन के नए नाम दिए गए।

जैनियों की राजधानी अहमदाबाद में 35वां दीक्षा मोहोत्सवकी शुरुआत18 अप्रैल को गुरु भगवंत के भव्य सामैया से शुरू हुई। रविवार, 21 अप्रैल को मुमुक्षु की वर्षीदान यात्रा निकाली गई। वर्षीदान यात्रा के बाद मुमुक्षुओं को साधु जीवन के लिए उपयोगी विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित करने के लिए करोड़ों रुपये की बोली लगायी गयी।

ता.22 अप्रैल को सुबह 4.32 बजे, 35 मुमुक्षुओं को अपने माथे पर विदाई तिलक के साथ अपने निवास से प्रस्थान करते समयइस भावना से सब भावित हुए थे कि मोहराजा के खिलाफ लड़ाई जीतने के बाद वे मोक्षगामी बनेंगे।

दीक्षा मंडप में 35 मुमुक्षुओं के हाथ में श्रीफल लेकर आने के बाद उन्होंने मंच पर बने समोवसरण में भगवान को तीन प्रदक्षिणा देकर प्रणाम किया और गुरु भगवंत को विधिवत प्रणाम किया।

फिर उन्होंने हाथ जोड़कर गुरु भगवंत से निम्नलिखित तीन अनुरोध किए-

(1) मम मुंडावेह = मेरे दोषों को दूर करने के लिए प्रतीकात्मक रूप से मेरा मुंडन करें।

(2) मम पव्वावेह = प्रव्रज्या प्रदान करके मुझे संसार से दूर ले जाओ।

(3) मम वेषं सम्मपेह = मोह से लड़ने के लिए आभूषण के रूप में मुझे साधुवेश प्रदान करें।

मुमुक्षुओं के इस प्रकार अनुरोध करने पर गुरु भगवंत ने उन्हें ओघो की पेशकश की।

ओघो मिलने के बाद मुमुक्षु स्नान कर साधु वेश धारण कर लौटे। इसके बाद गुरु भगवंत द्वारा मुमुक्षुओं को प्रतीकात्मक रूप से लोच प्रदान किया गया। फिर उन्हें सर्वविरति धर्म का निम्नलिखित व्रत लेने के लिए कहा गया, जो एक साधु के जीवन का पहला कदम है और सभी पापों से जीवन भर का त्याग है:

"करेमि भंते सामाईयं, सव्वं सवज्जं जोगं पच्चक्खामि, जाव जीवाए पज्जुवासामि, तिविहं, तिविहेणं, मणेणं, वायाए, कायेणं, न करेमि, न कारवेमि, करंतं अपि अन्नं न समुज्जाणामि, तस्स भंते, पडिक्कमामि, निन्दामि, गरिहामि, अप्पाणं वोसिरामि।'

दीक्षा समारोह के अंतिम चरण में, 35 मुमुक्षुओं के सांसारिक नाम स्थायी रूप से रद्द कर दिए गए और उनके लिए नए साधुजीवन के नामों की घोषणा की गई। पाँच दिवसीय दीक्षा मोहोत्सव से अहमदाबाद के पाँच लाख से अधिक जैन लाभान्वित हुए।

सूरत टेक्सटाइल मार्केट में 11 लाख की चोरी, फायर पाइप से भाग निकले चोर

सूरत। रिंग रोड पर स्थित सूरत टेक्सटाइल मार्केट (एसटीएम) के ऑडिटोरियम हॉल की पांचवीं मंजिल पर शुक्रवार देर रात चोरों ने एक साहसिक चोरी की घटना को अंजाम दिया। 3 घंटे 33 मिनट में दो चोरों ने 11 लाख रुपये कैश और मोबाइल फोन चुरा लिए और फायर पाइप के रास्ते भाग निकले।

यह घटना सबसे अधिक आश्चर्यजनक इसलिए है क्योंकि यह चोरी सुरक्षा गार्डों की मौजूदगी में हुई थी। रात 10 बजे मार्केट बंद होने से आधा घंटा पहले 9:30 बजे दोनों चोर बाजार की छत पर जाकर छिप गए। 19 तारीख को मार्केट बंद होने के बाद दोनों चोरों ने छत पर स्थित ड्रेस की दुकान के मुख्य दरवाजे का लोहे का ग्रिल तोड़ दिया। दुकान में एक और लोहे का शटर था जिसमें दो ताले थे, जो दोनों टूट गए।

चोरों ने टेबल की दराज से एक मोबाइल फोन चुरा लिया और सामान बिखेर दिया। इसके बाद वे दुकान में बने ऑफिस में घुसे और टेबल की दराज तोड़कर 11 लाख रुपये कैश चुरा लिया। दुकान में प्रतिदिन होने वाले कारोबार की गणना करके उसे कार्यालय में मेज की दराज में रखा जाता है। दराज की एक चाबी व्यापारी के पास और एक चाबी कर्मचारी के पास रहती है।

फिलहाल, व्यापारी संदीप गिरासे ने सलाबतपुरा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि चोरों ने छत पर बनी दुकान में चोरी की थी और बाहर निकलने के लिए फायर पाइप के अलावा कोई रास्ता नहीं था। इसलिए चोर फायर पाइप से उतरकर चौथी मंजिल, फिर तीसरी, दूसरी, पहली और निचली मंजिल पर आए। बाजार में सुरक्षा गार्ड तैनात होने के बावजूद दोनों चोर 11 लाख रुपये की नकदी चुराकर फरार हो गए।

एयरटेल ने दुनिया भर में यात्रा करने वाले ग्राहकों के लिए किफायती अंतरराष्ट्रीय रोमिंग पैक का अनावरण किया

नई दिल्ली। भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, भारती एयरटेल ("एयरटेल") ने आज विदेश यात्रा करने वाले ग्राहकों के लिए किफायती अंतरराष्ट्रीय रोमिंग पैक का अनावरण किया। नए पैक में 184 देशों तक पहुंच शामिल है और टैरिफ रुपये से शुरू होते हैं। 133/दिन, जो उन्हें स्थानीय सिम की तुलना में भी एक किफायती विकल्प बनाता है। इसके अतिरिक्त, वे उन्नत डेटा लाभ, इन-फ़्लाइट कनेक्टिविटी और 24×7 संपर्क केंद्र समर्थन प्रदान करते हैं।

चीजों को यथासंभव सुविधाजनक बनाने के लिए, एयरटेल ने यह भी सुनिश्चित किया है कि इन 184 देशों की यात्रा करने वाले ग्राहकों को अब विभिन्न यात्रा स्थलों के लिए कई पैक की सदस्यता लेने की आवश्यकता नहीं है और उन्हें यात्रा अवधि चुनने और दुनिया में कहीं भी निर्बाध कनेक्टिविटी का आनंद लेने की सुविधा है। एक एकल पैक; और इसे सबसे सस्ते तरीके से करें.

भारती एयरटेल के निदेशक - ग्राहक अनुभव और विपणन, अमित त्रिपाठी ने कहा, "एयरटेल में, हमारा मिशन ग्राहकों की समस्याओं को हल करना और अधिक सुविधा प्रदान करना है। हमें एक किफायती और आसान अंतरराष्ट्रीय रोमिंग पैक लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है जो ग्राहकों को कहीं भी यात्रा करने की अनुमति देता है।ज्ज दुनिया। यह पैक बेहतर लाभों के साथ निर्बाध रोमिंग एक्सेस सक्षम करेगा जो स्थानीय इन-कंट्री सिम की तुलना में किफायती है। नया पैक वास्तव में ग्राहकों के लिए हमारे मूल्य प्रस्ताव को फिर से परिभाषित करता है और उन्हें किफायती टैरिफ पर डेटा और वॉयस उपयोग करने की स्वतंत्रता देता है ।"

नए अंतर्राष्ट्रीय रोमिंग पैक की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं:

•सस्ता पैक रु। 133/दिन, जो उन्हें अधिकांश देश/स्थानीय सिमों की तुलना में अधिक किफायती बनाता है।

•एक ही पैक के साथ दुनिया भर में पहुंच को सक्षम करने वाली दुनिया में कहीं भी यात्रा करने की योजना

•नई सुविधाएँ: बार-बार पैक खरीदने वाले यात्रियों के लिए एक ऑटो नवीनीकरण सुविधा आवश्यकता को समाप्त करती है और सक्षम बनाती है। धन्यवाद ऐप के माध्यम से परेशानी मुक्त यात्रा।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद ने 'सभी के लिए सुलभ उपचार' की थीम के साथ विश्व हीमोफीलिया दिवस मनाया

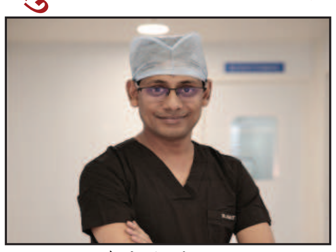

अहमदाबाद। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद ने 17 अप्रैल, 2024 को लोगों के बीच हीमोफिलिया के लक्षणों और उपचार के बारे में जागरूकता फैलाकर विश्व हीमोफिलिया दिवस मनाया। च्सभी के लिए सुलभ उपचारज्ज ही इस साल की थीम है। डॉ. अंकित जीतानी, सीनियर कन्सलटेंट, हेमेटोलॉजी एवं बीएमटी, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद ने इस पहल की अगुवाई की।

हीमोफीलिया खून से संबंधित एक आनुवंशिक बीमारी है, जो सामान्य तरीके से खून को जमने से रोकती है। खून में ब्लड क्लॉटिंग के लिए जिम्मेदार फैक्टर्स में से एक की कमी के कारण ऐसा होता है। फैक्टर VIII की कमी के कारण हीमोफीलिया-ए होता है, जबकि फैक्टर ढ्ढङ्ग की कमी के कारण हीमोफीलिया-बी होता है। हीमोफीलिया तुलनात्मक रूप से सामान्य बीमारी है, जिसमें बालकों में हीमोफीलिया-ए के मामले का अनुपात 1:5000 है, जबकि हीमोफीलिया-बी के मामले का बालकों में अनुपात लगभग 1:20000 है। बीमारी की गंभीरता शरीर में इसके फैक्टर की कमी की मात्रा पर निर्भर है। सही मायने में देखा जाए तो हीमोफीलिया कोई रोग नहीं है, और ना हीमोफीलिया से पीड़ति लोग मरीज हैं। हालाँकि, हीमोफीलिया की वजह से उत्पन्न होने वाली कोई भी जटिलता इंसान को मरीज बना सकती है, जिसे सामान्य तौर पर रोका जा सकता है। विश्व हीमोफीलिया दिवस के मौके पर, हीमोफीलिया की रोकथाम के तरीकों और हीमोफीलिया से पीड़ति लोगों की बेहतर देखभाल के बारे में ज्यादा-से-ज्यादा लोगों के बीच जागरूकता फैलाने पर ध्यान दिया गया।

हीमोफीलिया एक आनुवांशिक बीमारी है जो माता-पिता से बच्चों में फैलती है। हीमोफीलिया ङ्ग क्रोमोसोम में आनुवंशिक उत्परिवर्तन के कारण होता है। चूंकि पुरुषों में एक ङ्ग क्रोमोसोम मौजूद होता है, इसी वजह से वे आमतौर पर ज्यादा प्रभावित होते हैं। महिलाओं में दो X क्रोमोसोम होते हैं। इसलिए, ऐसा शायद ही कभी होता है कि कोई महिला हीमोफीलिया से पीड़ति हो। हालाँकि, महिलाएँ म्यूटेड ङ्ग क्रोमोसोम में से किसी एक की वाहक, यानी कैरियर हो सकती हैं, तथा इसे अपने बच्चों तक भी पहुँचा सकती हैं।

एक महिला कैरियर के लिए, हरेक गर्भावस्था के संभावित तौर पर चार परिणाम होते हैं: एक लड़की जो कैरियर नहीं है; एक लड़की जो कैरियर है; एक लड़का जो हीमोफीलिया से पीड़ति नहीं है; और एक लड़का जो हीमोफीलिया से पीड़ति है। हरेक गर्भावस्था में इन परिणामों की संभावनाएँ एक-समान होती हैं। इसलिए सामान्य शिशु को जन्म देना संभव है। हालाँकि, गर्भावस्था की शुरुआत में यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि, शिशु हीमोफीलिया से पीड़ति तो नहीं है। यह प्रसव से पहले जेनेटिक डायग्नोसिस के जरिये संभव है।

शरीर में फैक्टर की कमी की मात्रा के आधार पर हीमोफीलिया को हल्के, मध्यम और गंभीर की श्रेणी में बाँटा गया है। अपने आप होने वाला रक्तस्राव, ज्यादातर जोड़ों में रक्तस्राव केवल गंभीर हीमोफीलिया में ही होता है, जब फैक्टर का स्तर 1% से कम होता है। मध्यम और हल्के हीमोफीलिया से पीड़ित लोगों को केवल चोट लगने या जखम होने पर ही रक्तस्राव का खतरा होता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)